94560

पुस्तकालय
गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय

भारतीय मिथक कोश

डॉ० उषा पुरी विद्यावाचस्पति

ब्रह्मवर्चस् शोध संस्थान के लिए
सप्रेम भेंट —

वेदविभाग
20।10।82

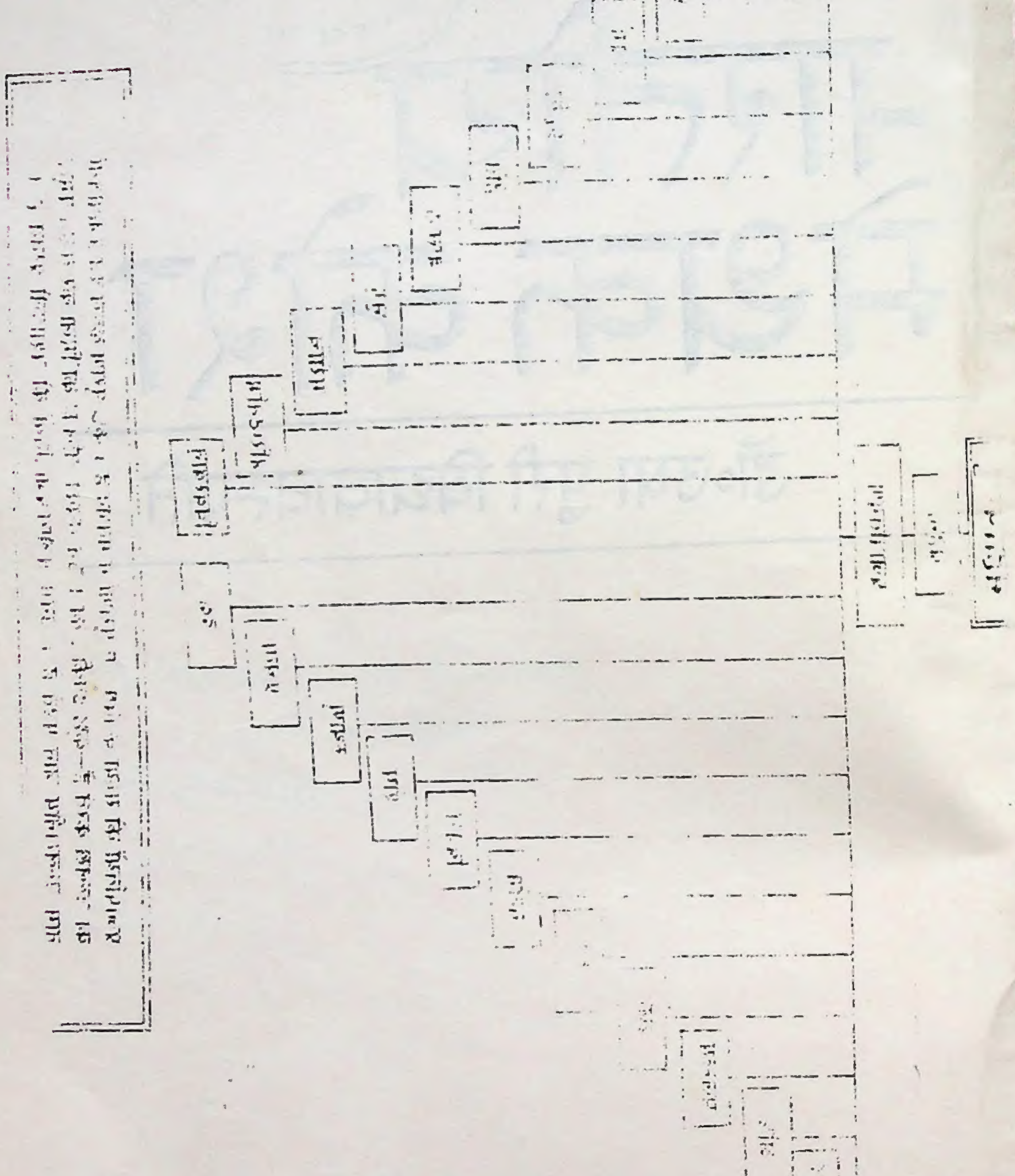

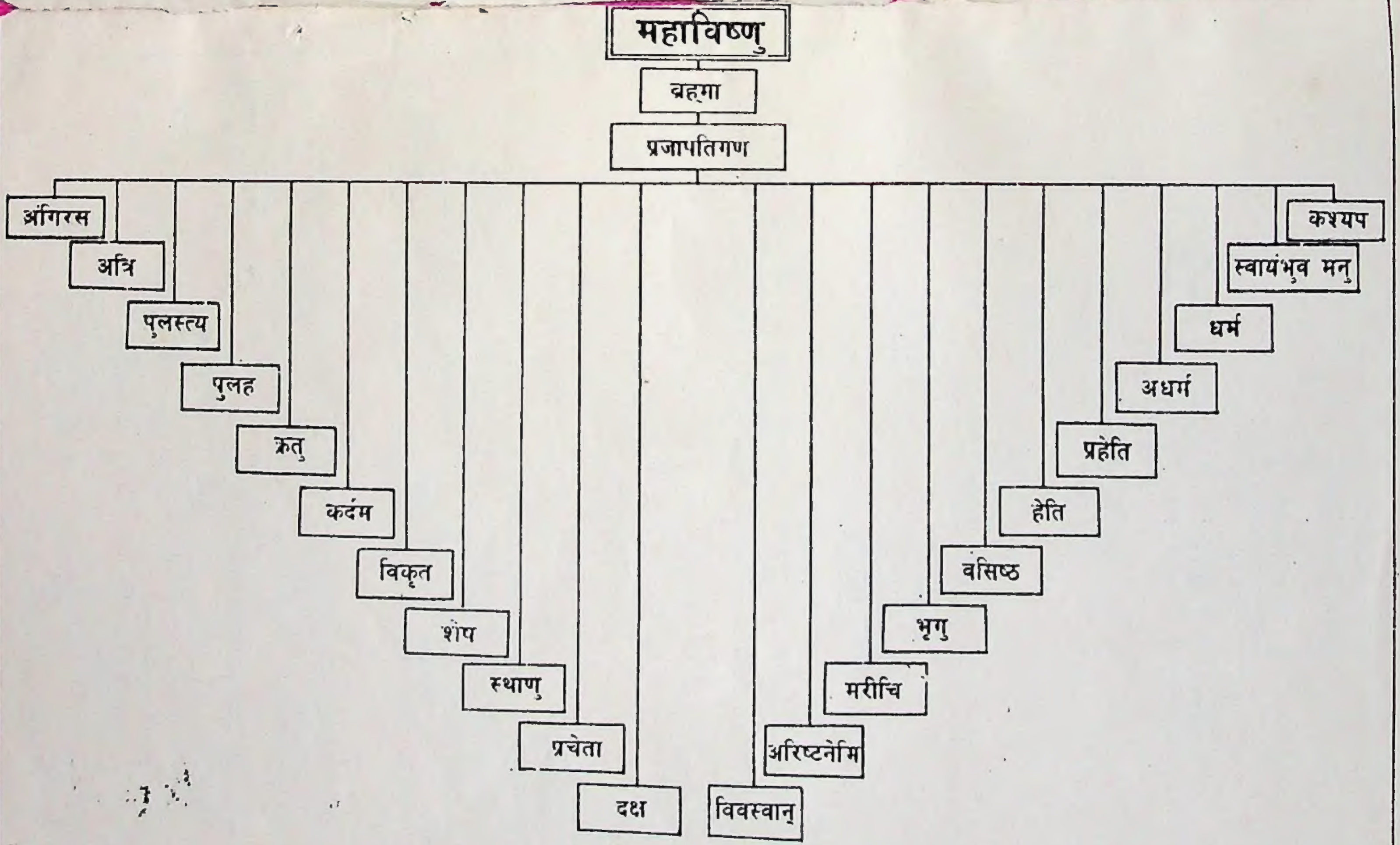

प्रजापतियों की संख्या के विषय में पुराणों में मतभेद है । कुछ पुराण केवल दस प्रजापतियों का उल्लेख करते हैं—कुछ इक्कीस का । उन सबकी तालिका को मिला कर बाइस प्रमुख नाम उल्लेखनीय जान पड़ते हैं । उनमें से बीस प्रजापतियों की वंशावली प्रस्तुत है ।

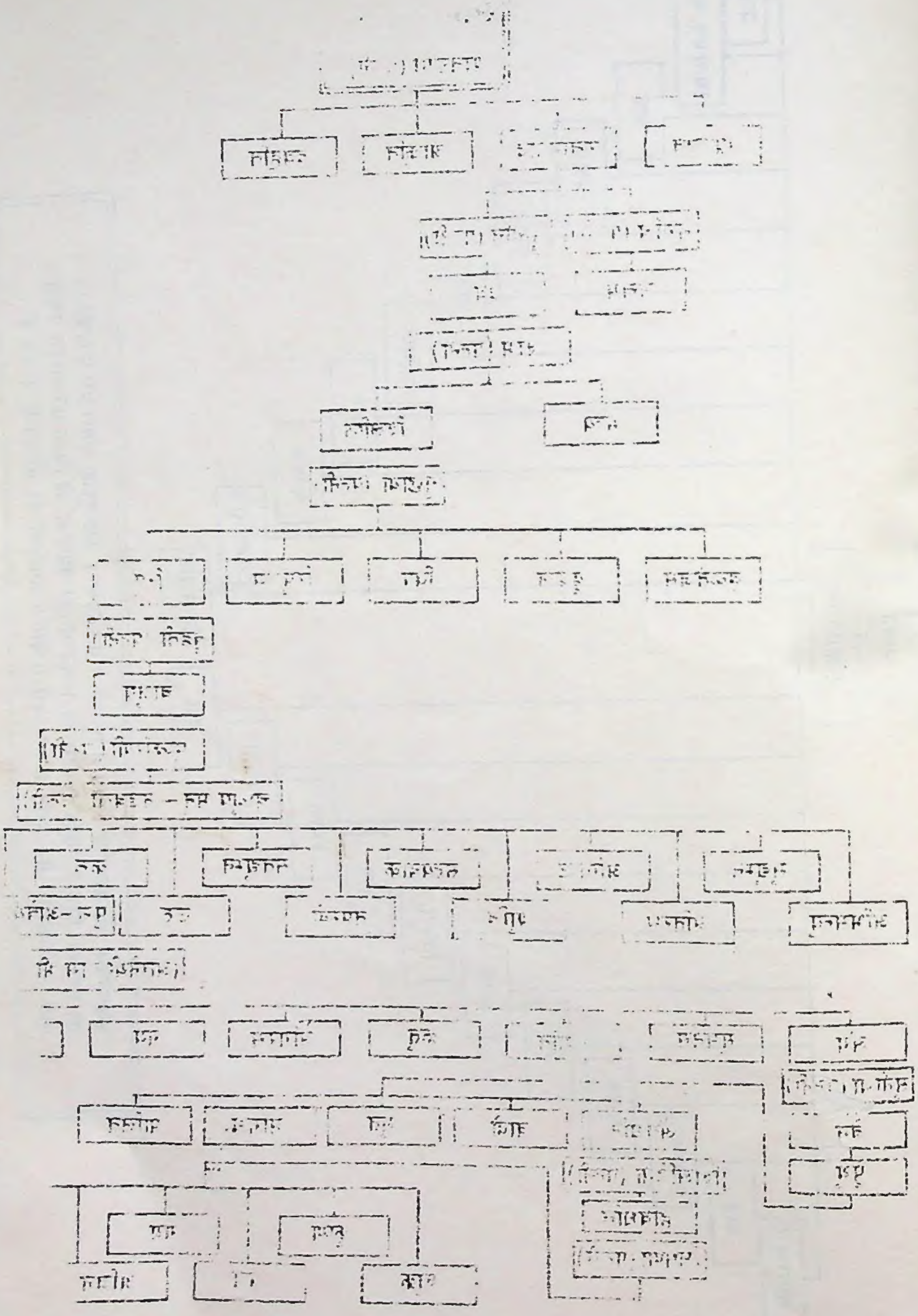

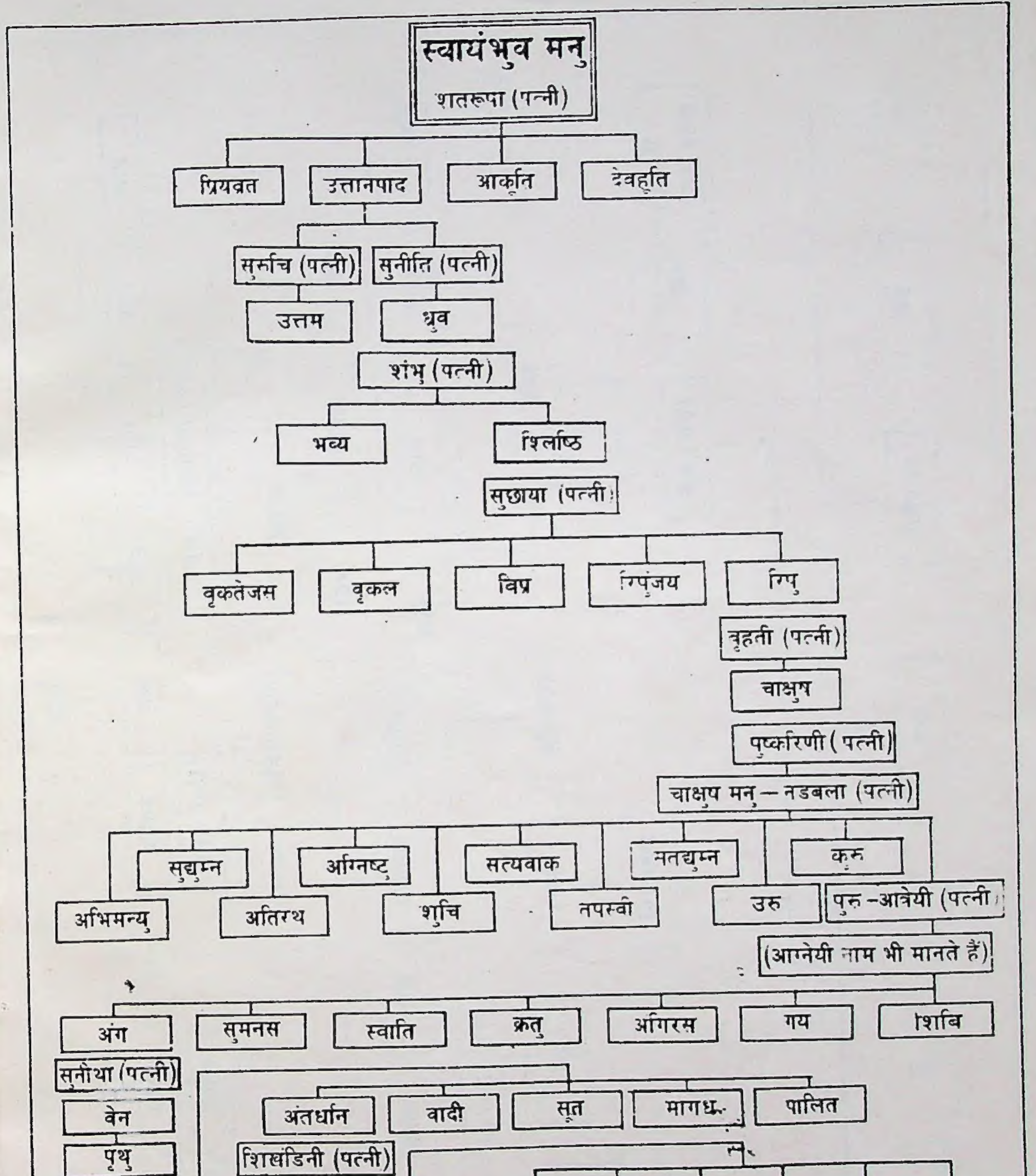
स्वायंभुव मनु
शतरूपा (पत्नी)
प्रियव्रत
उत्तानपाद
आकूति
देवहूति
सुरुचि (पत्नी)
सुनीति (पत्नी)
उत्तम
ध्रुव
शंभु (पत्नी)
भव्य
शिलष्ठ
सुछाया (पत्नी)
वृकतेजस
वृकल
विप्र
रिपुंजय
रिपु
बृहती (पत्नी)
चाक्षुष
पुष्करिणी (पत्नी)
चाक्षुष मनु — नडबला (पत्नी)
सुद्युम्न
अग्निष्टु
सत्यवाक
सतद्युम्न
कुरु
अभिमन्यु
अतिरथ
शुचि
तपस्वी
उरु
पुरु – आत्रेयी (पत्नी)
(आग्नेयी नाम भी मानते हैं)
अंग
सुमनस
स्वाति
क्रतु
अंगिरस
गय
शिबि
सुनीथा (पत्नी)
वेन
पृथु
अंतर्धान
वादी
सूत
मागध
पालित
शिखंडिनी (पत्नी)
हविर्धान
धिषणा (पत्नी)
कृष्ण
गय
प्राचीनबर्हि
शुक्र
व्रज
अजिन
सवर्णा (पत्नी)

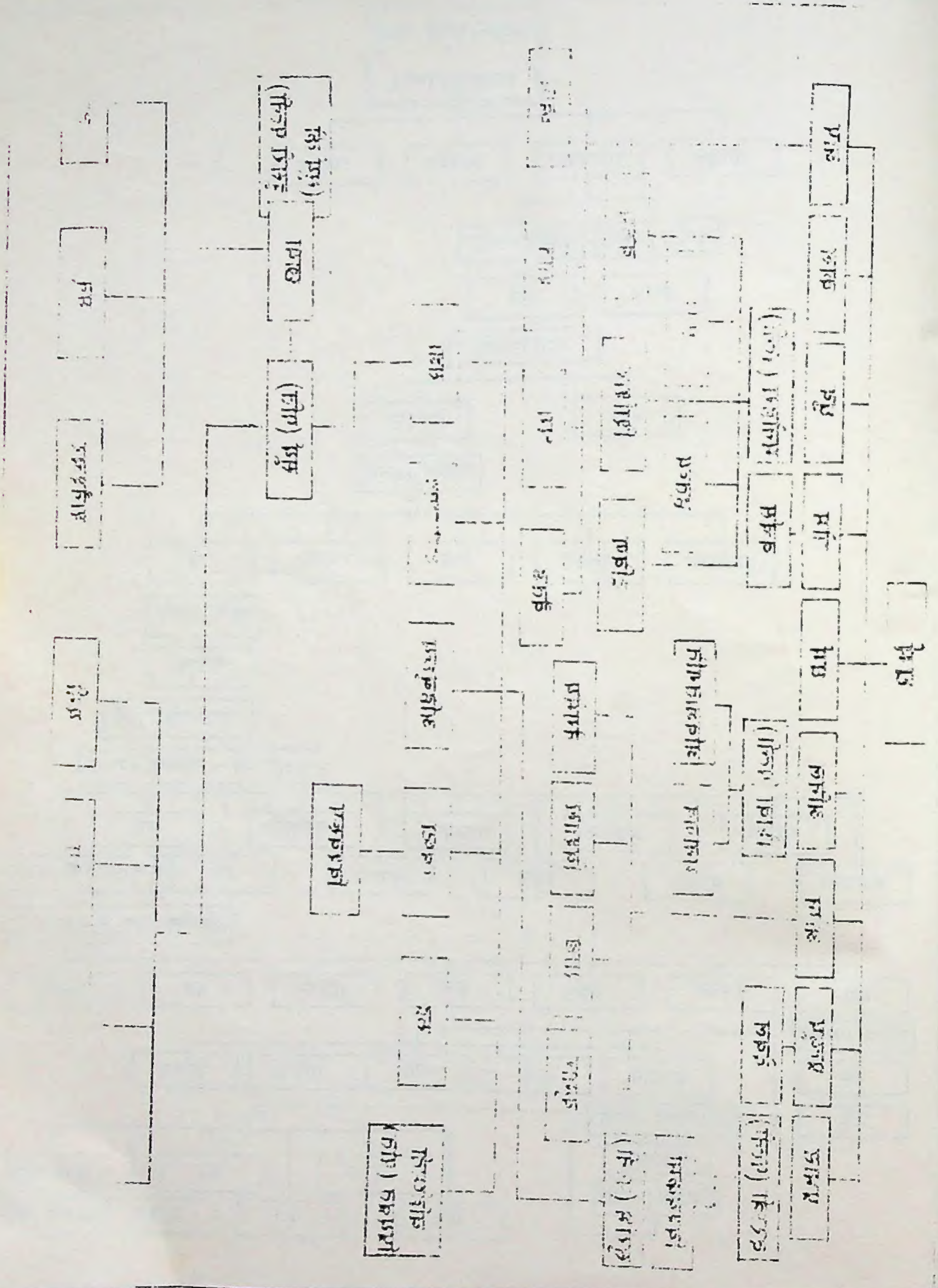

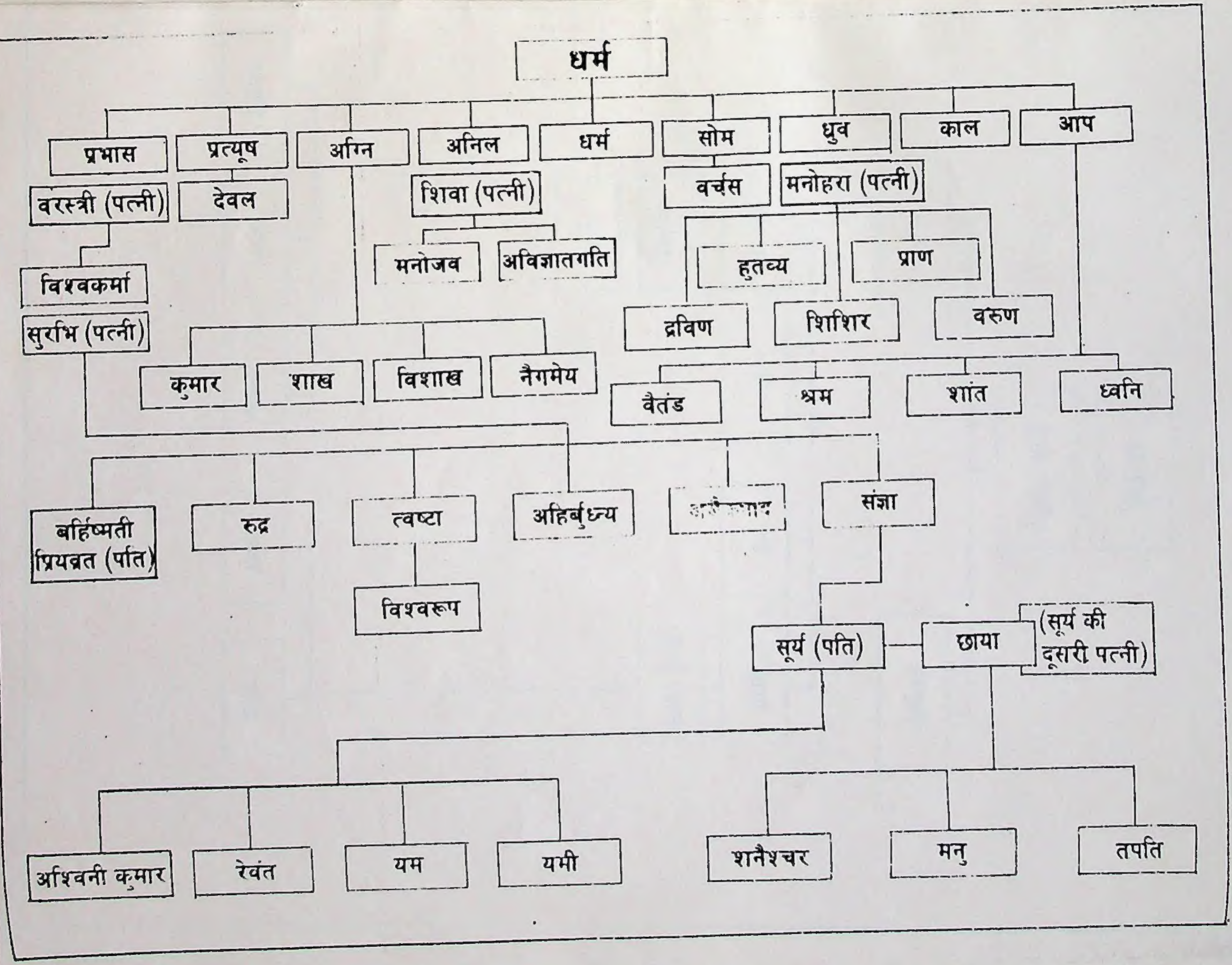

धर्म
प्रभास
प्रत्यूष
अग्नि
अनिल
धर्म
सोम
ध्रुव
काल
आप
वरस्त्री (पत्नी)
देवल
शिवा (पत्नी)
वर्चस
मनोहरा (पत्नी)
मनोजव
अविज्ञातगति
हुतव्य
प्राण
विश्वकर्मा
सुरभि (पत्नी)
द्रविण
शिशिर
वरुण
कुमार
शाख
विशाख
नैगमेय
वैतंड
श्रम
शांत
ध्वनि
बर्हिष्मती प्रियव्रत (पति)
रुद्र
त्वष्टा
अहिर्बुध्न्य
संज्ञा
विश्वरूप
सूर्य (पति)
छाया
(सूर्य की दूसरी पत्नी)
अश्विनी कुमार
रेवंत
यम
यमी
शनैश्चर
मनु
तपति

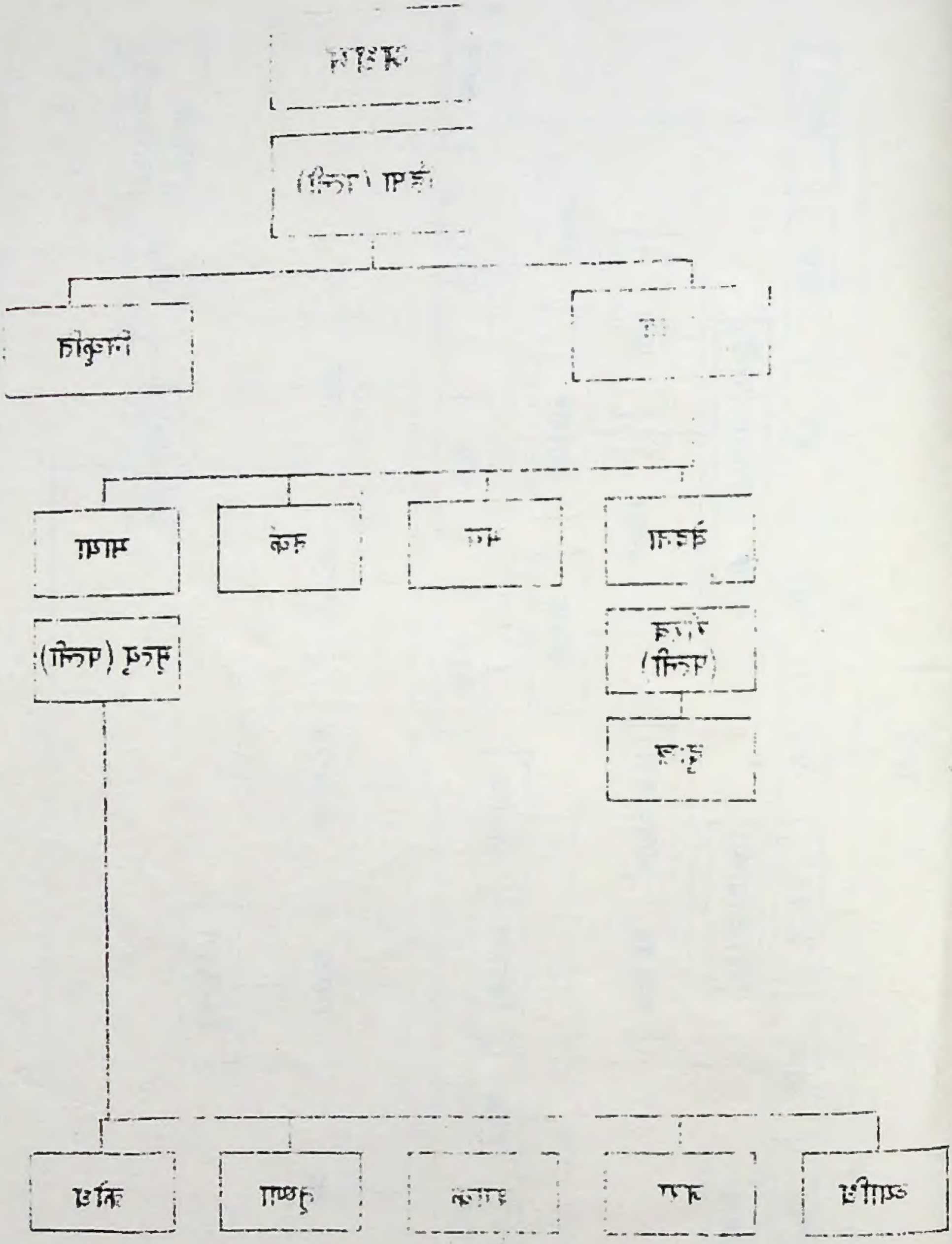

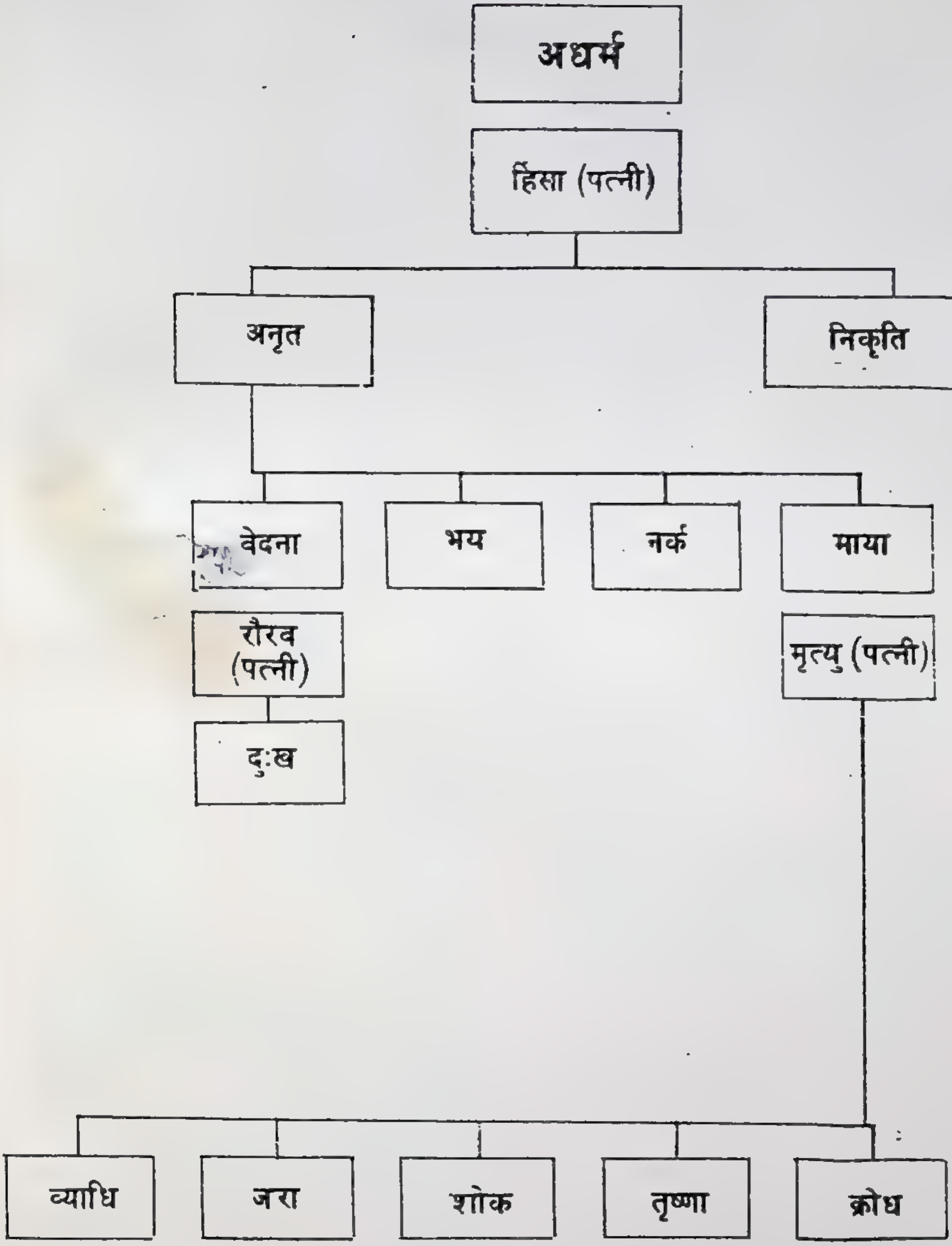

अधर्म
हिंसा (पत्नी)
अनृत
निकृति
वेदना
भय
नर्क
माया
रौरव (पत्नी)
मृत्यु (पत्नी)
दुःख
व्याधि
जरा
शोक
तृष्णा
क्रोध

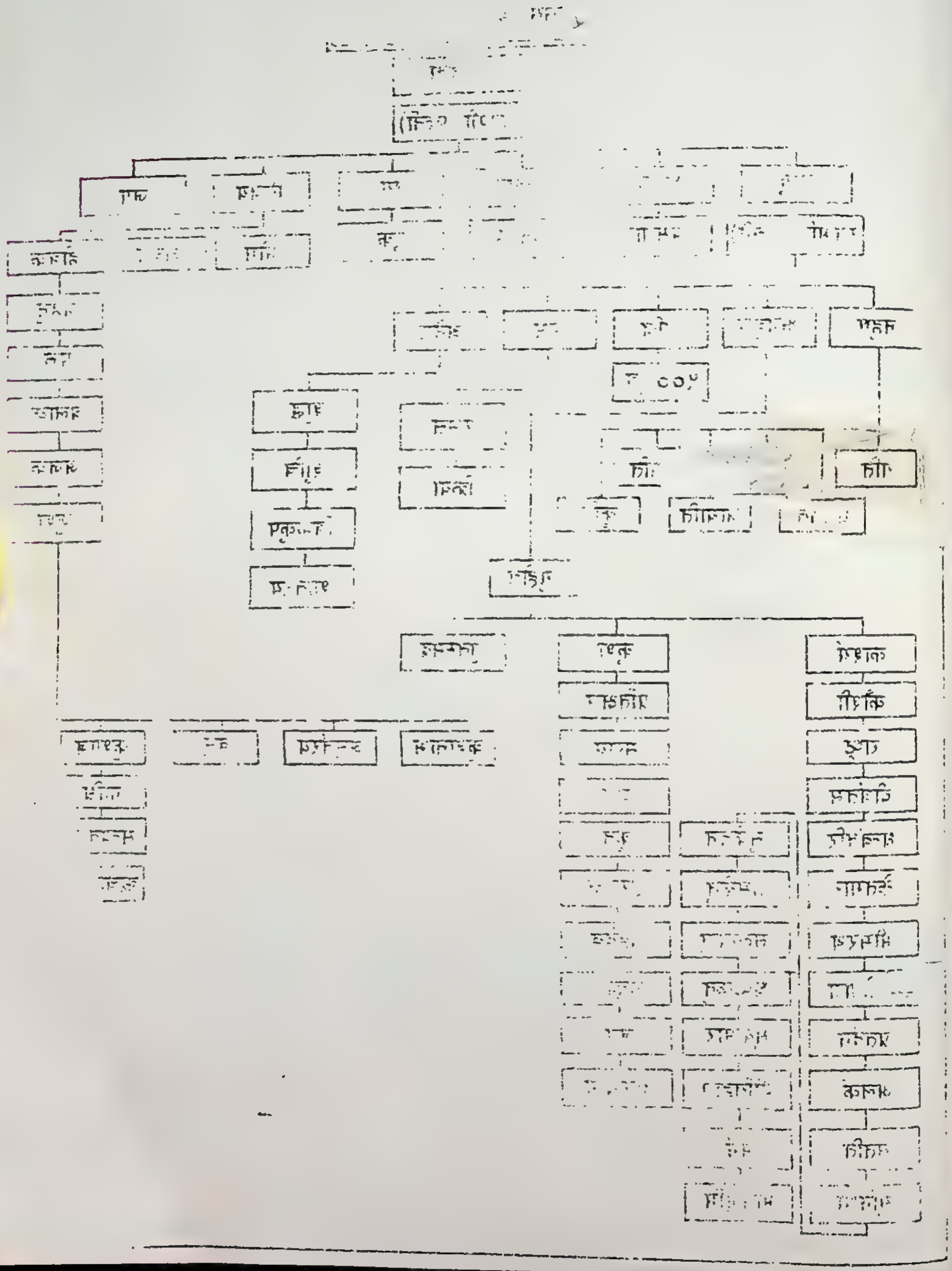

पुरुवंश

(इससे पूर्व दे० प्रजापति अत्रि)

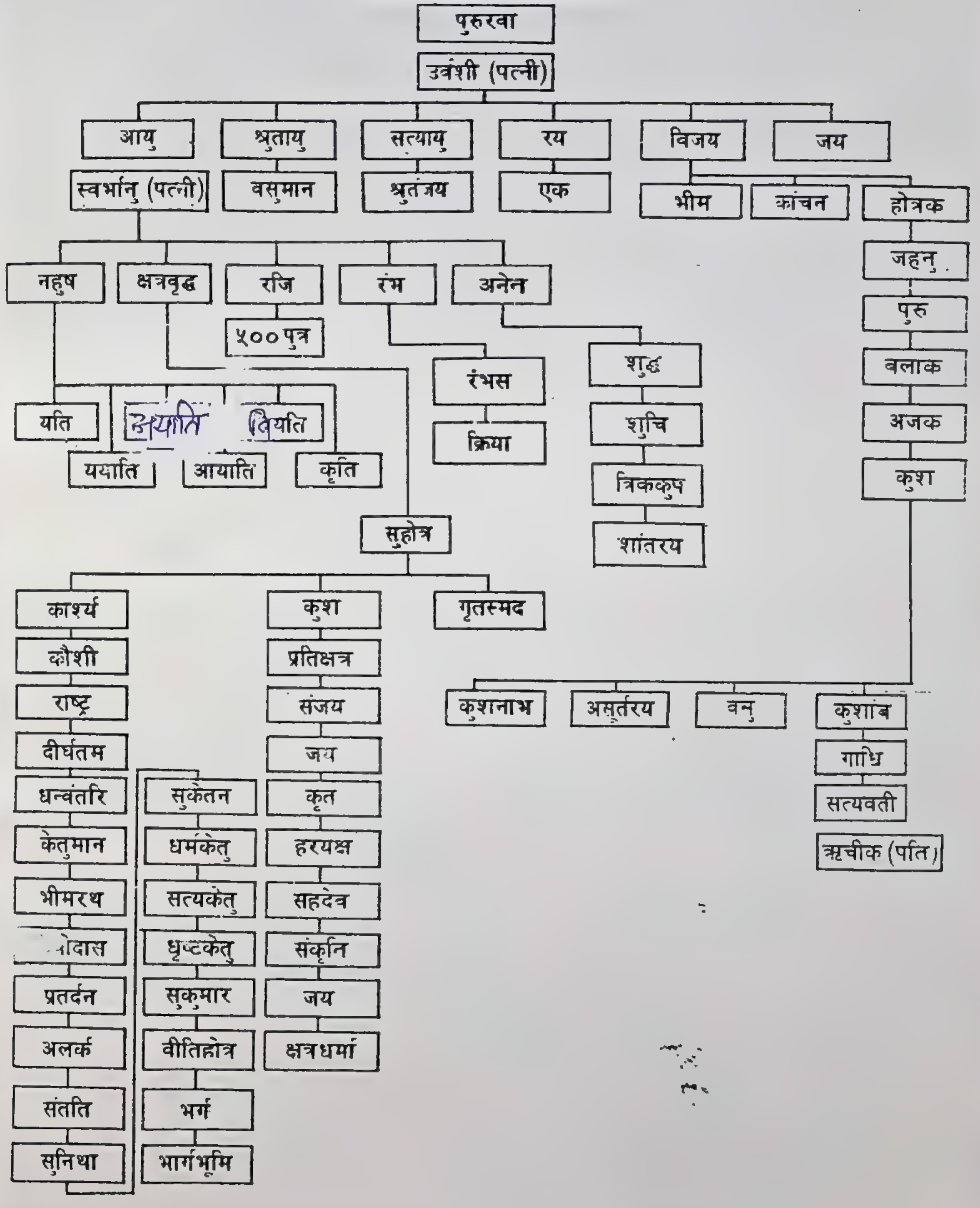

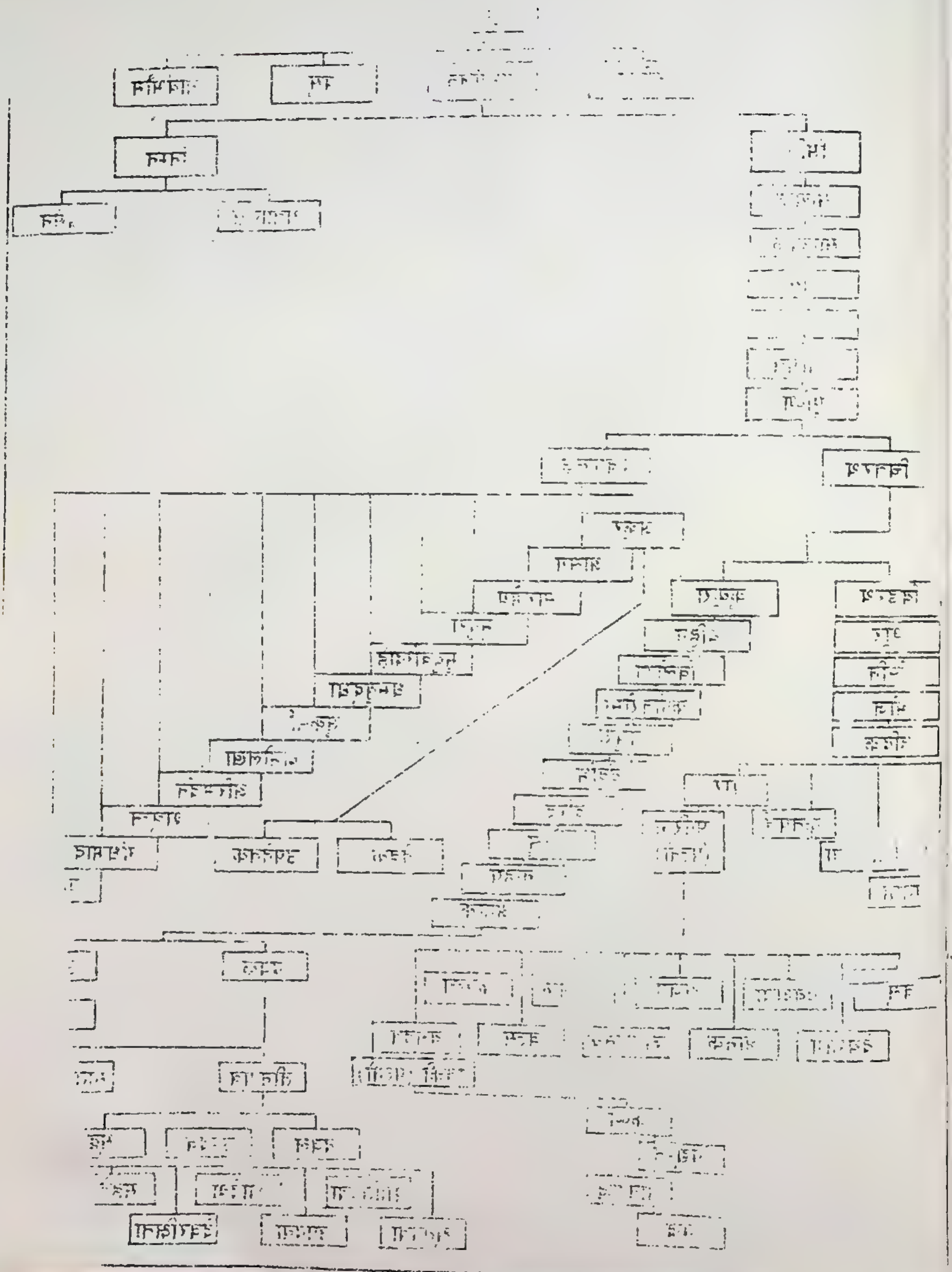

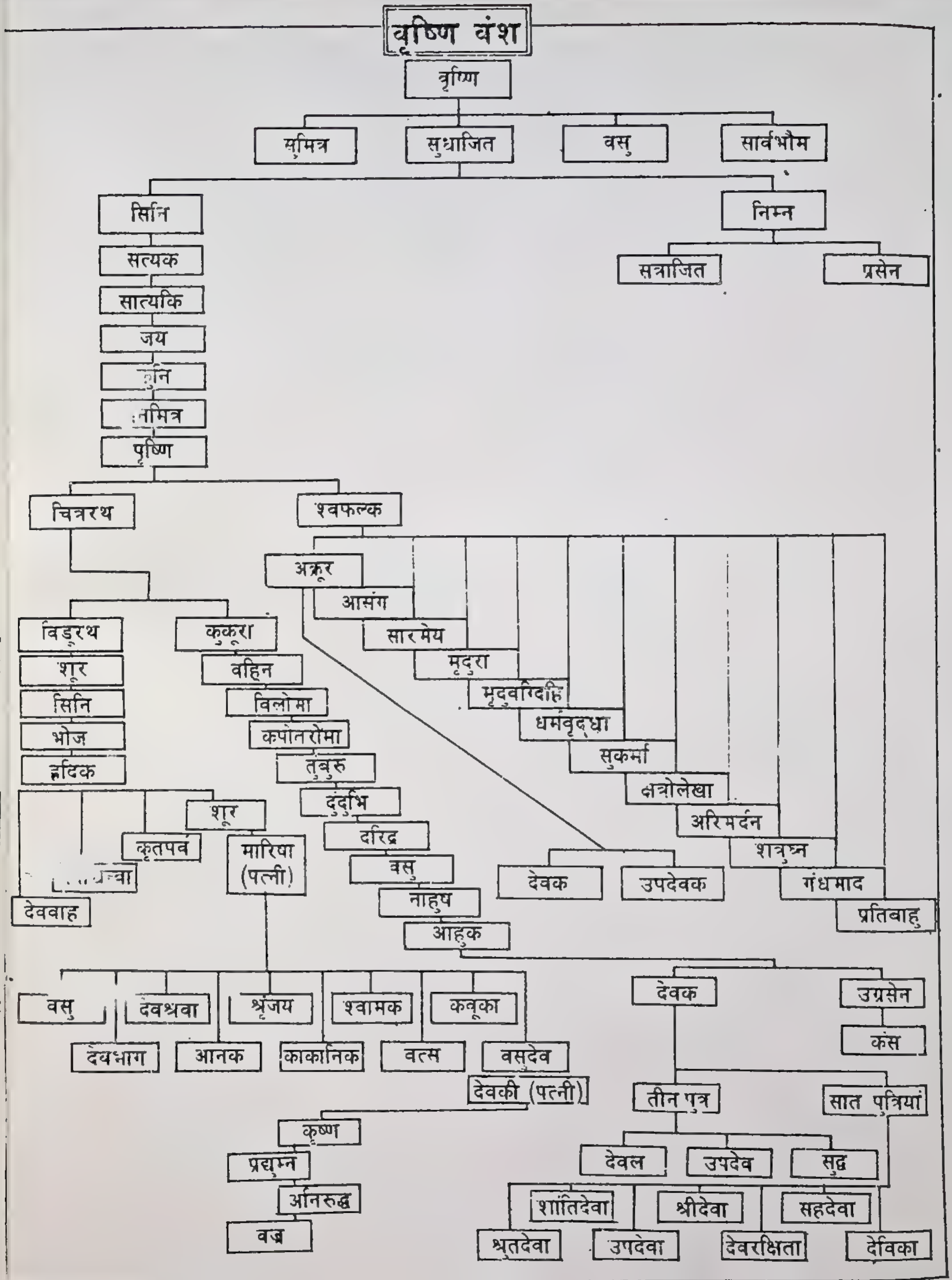
वृष्णि वंश
वृष्णि
सुमित्र
सुधाजित
वसु
सार्वभौम
सिनि
निम्न
सत्राजित
प्रसेन
सत्यक
सात्यकि
जय
पृष्णि
चित्ररथ
श्वफल्क
अक्रूर
आसंग
सारमेय
मृदुरा
मृदुवरिदहि
धर्मवृद्धा
सुकर्मा
क्षत्रोलेखा
अरिमर्दन
शत्रुघ्न
गंधमाद
प्रतिबाहु
देवक
उपदेवक
विडूरथ
कुकूरा
शूर
वहिन
सिनि
विलोमा
भोज
कपोतरोमा
हृदिक
तुंबुरु
दुंदुभि
शूर
कृतपर्व
मारिषा
(पत्नी)
दरिद्र
वसु
नाहुष
देववाह
आहुक
देवक
उग्रसेन
कंस
वसु
देवश्रवा
श्रृंजय
श्वामक
कवूका
देवभाग
आनक
काकानिक
वत्स
वसुदेव
देवकी (पत्नी)
तीन पुत्र
सात पुत्रियां
कृष्ण
प्रद्युम्न
अनिरुद्ध
वज्र
देवल
उपदेव
सुद्व
शांतिदेवा
श्रीदेवा
सहदेवा
श्रुतदेवा
उपदेवा
देवरक्षिता
देविका

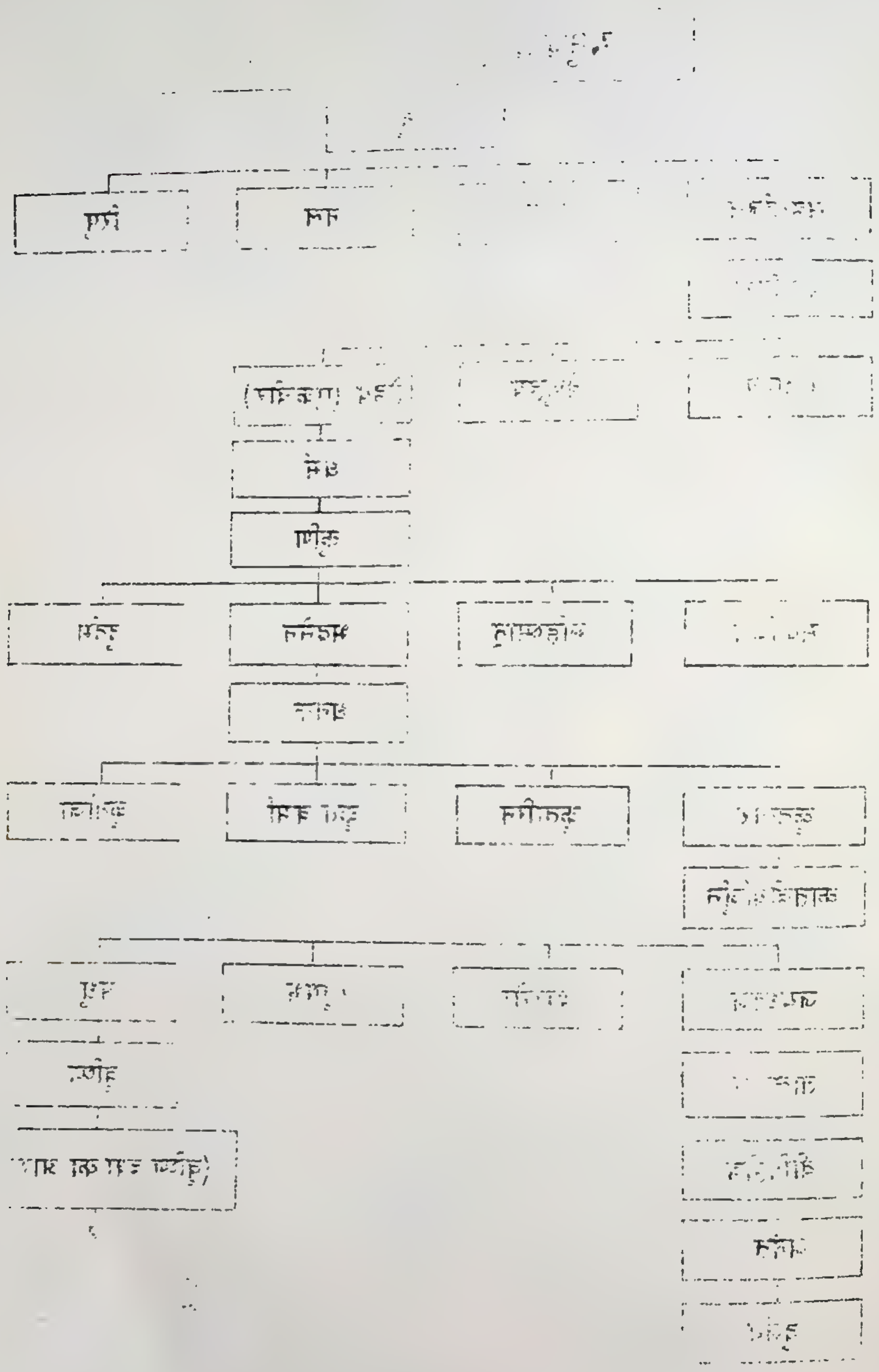

यदुवंश (चंद्रवंश दे० अत्रि)

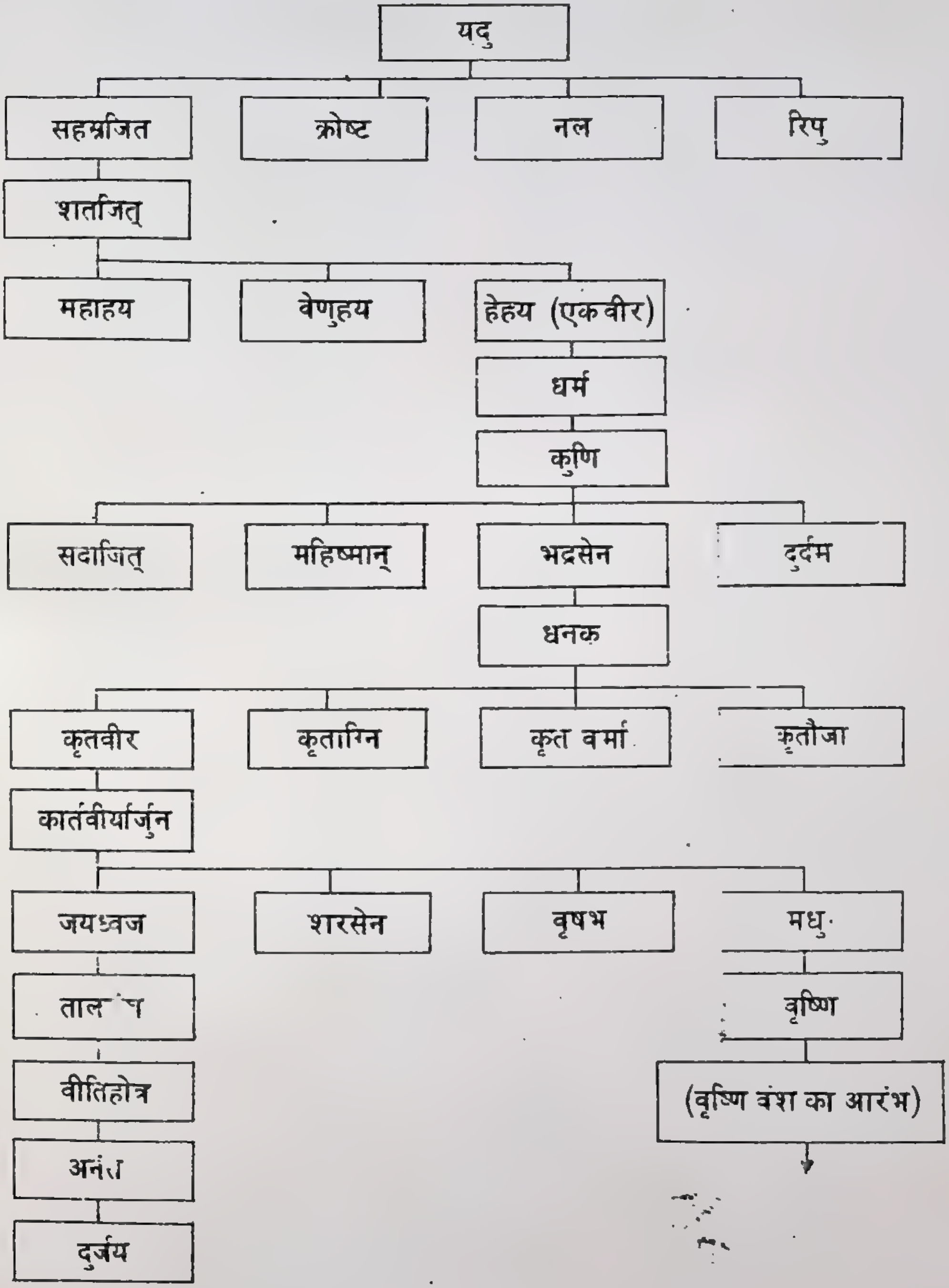

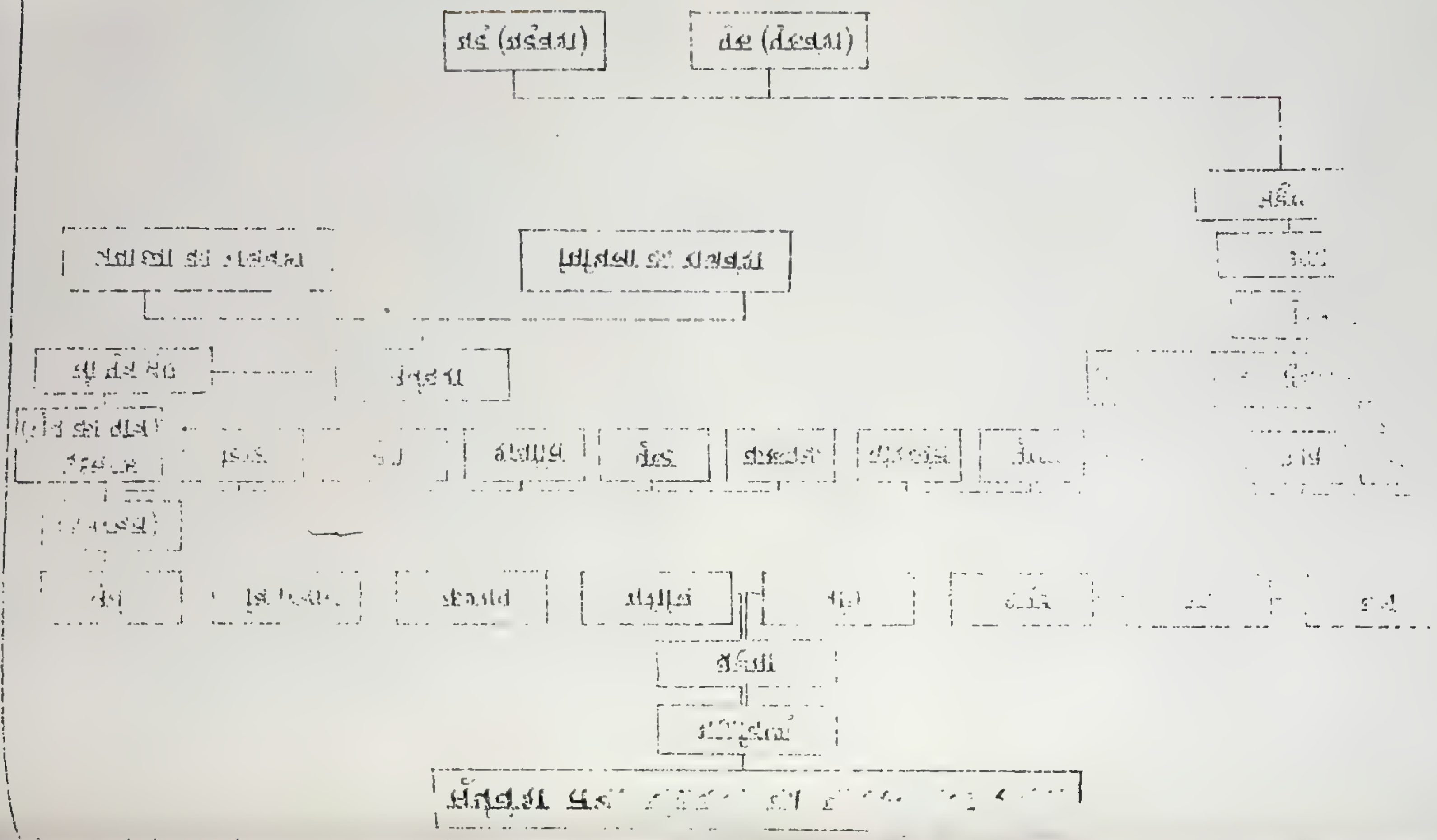

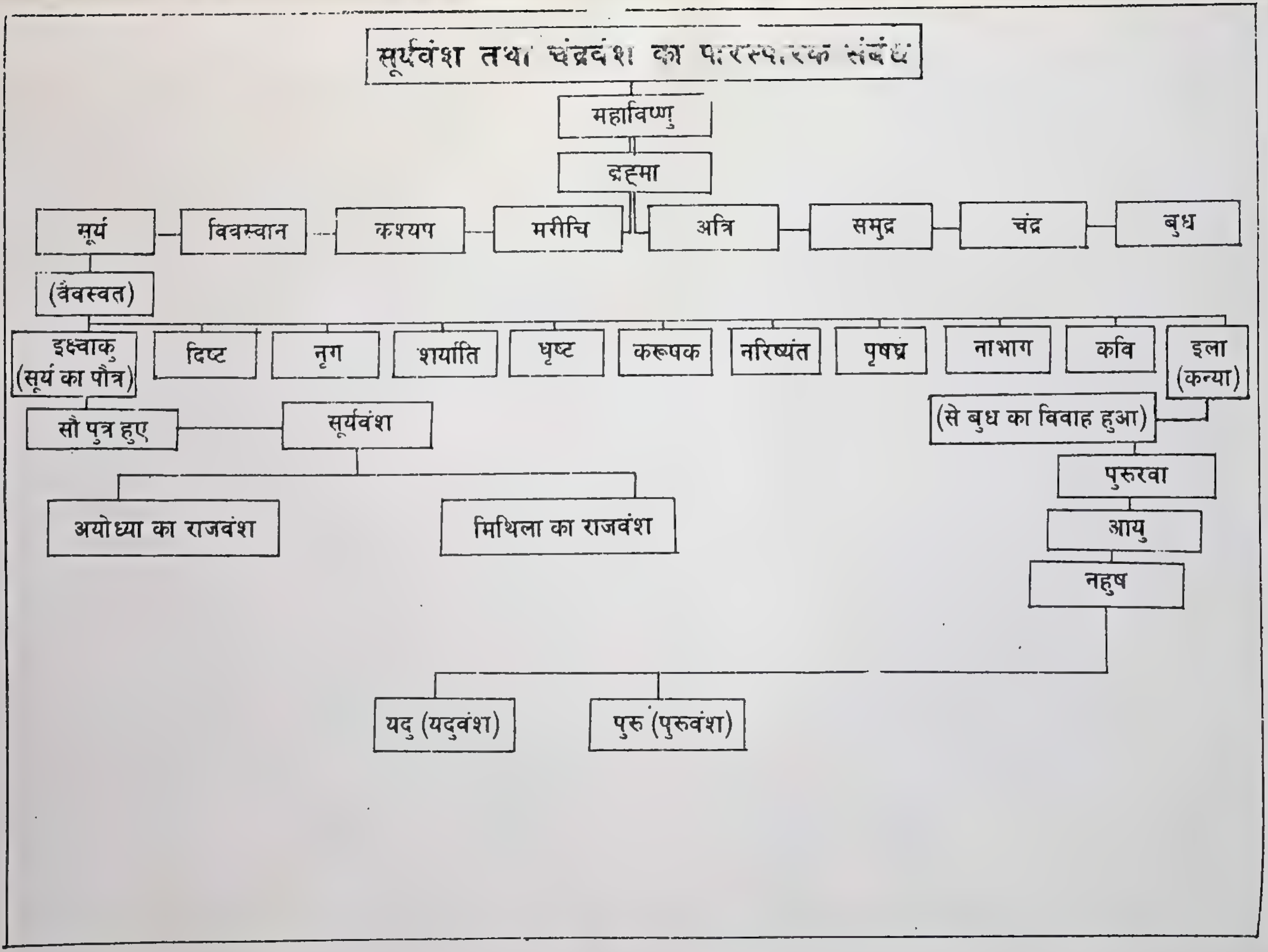
सूर्यवंश तथा चंद्रवंश का पारस्परिक संबंध
महाविष्णु
ब्रह्मा
सूर्य
विवस्वान
कश्यप
मरीचि
अत्रि
समुद्र
चंद्र
बुध
(वैवस्वत)
इक्ष्वाकु (सूर्य का पौत्र)
दिष्ट
नृग
शर्याति
धृष्ट
करूषक
नरिष्यंत
पृषध्र
नाभाग
कवि
इला (कन्या)
(से बुध का विवाह हुआ)
सौ पुत्र हुए
सूर्यवंश
अयोध्या का राजवंश
मिथिला का राजवंश
पुरुरवा
आयु
नहुष
यदु (यदुवंश)
पुरु (पुरुवंश)

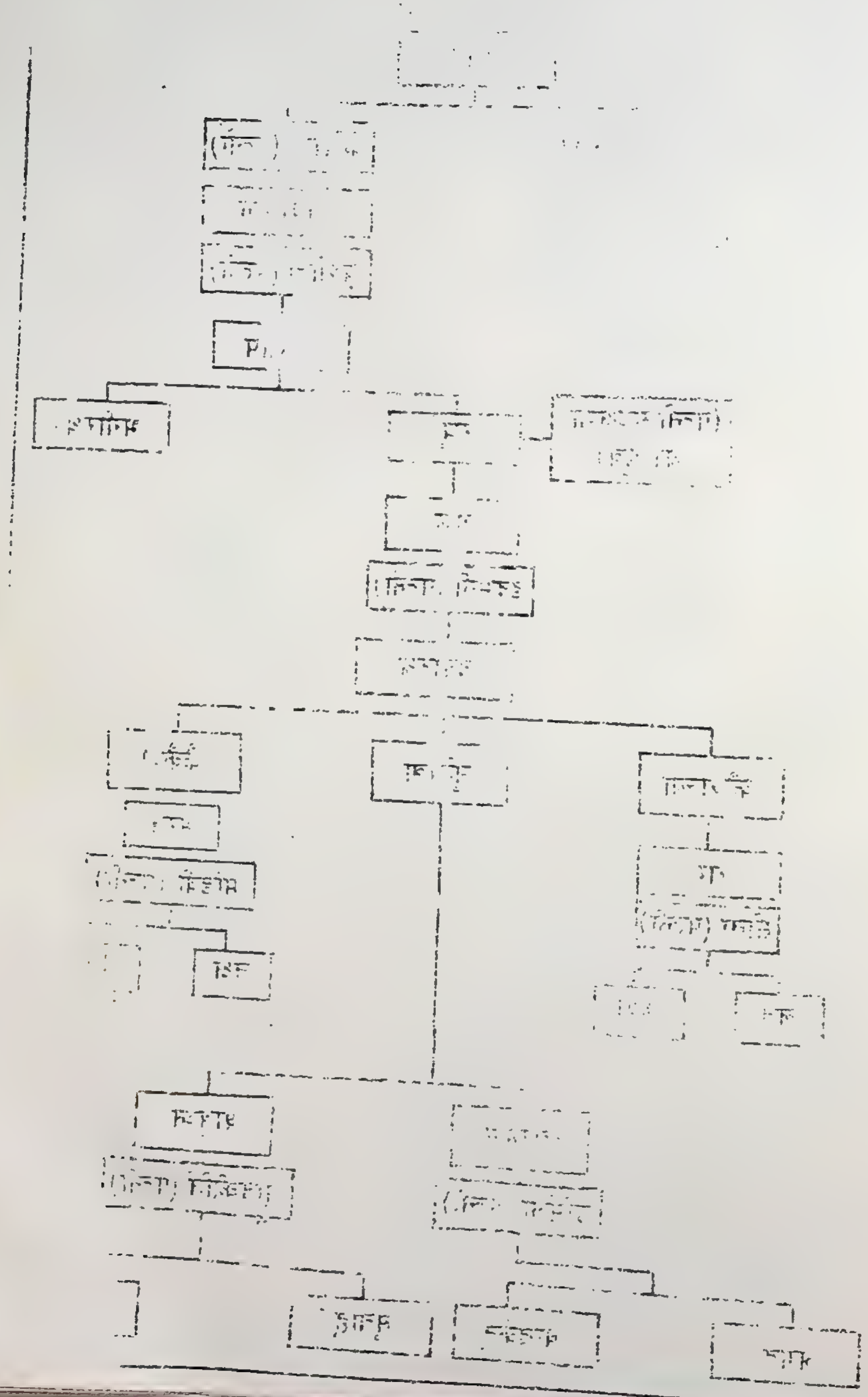

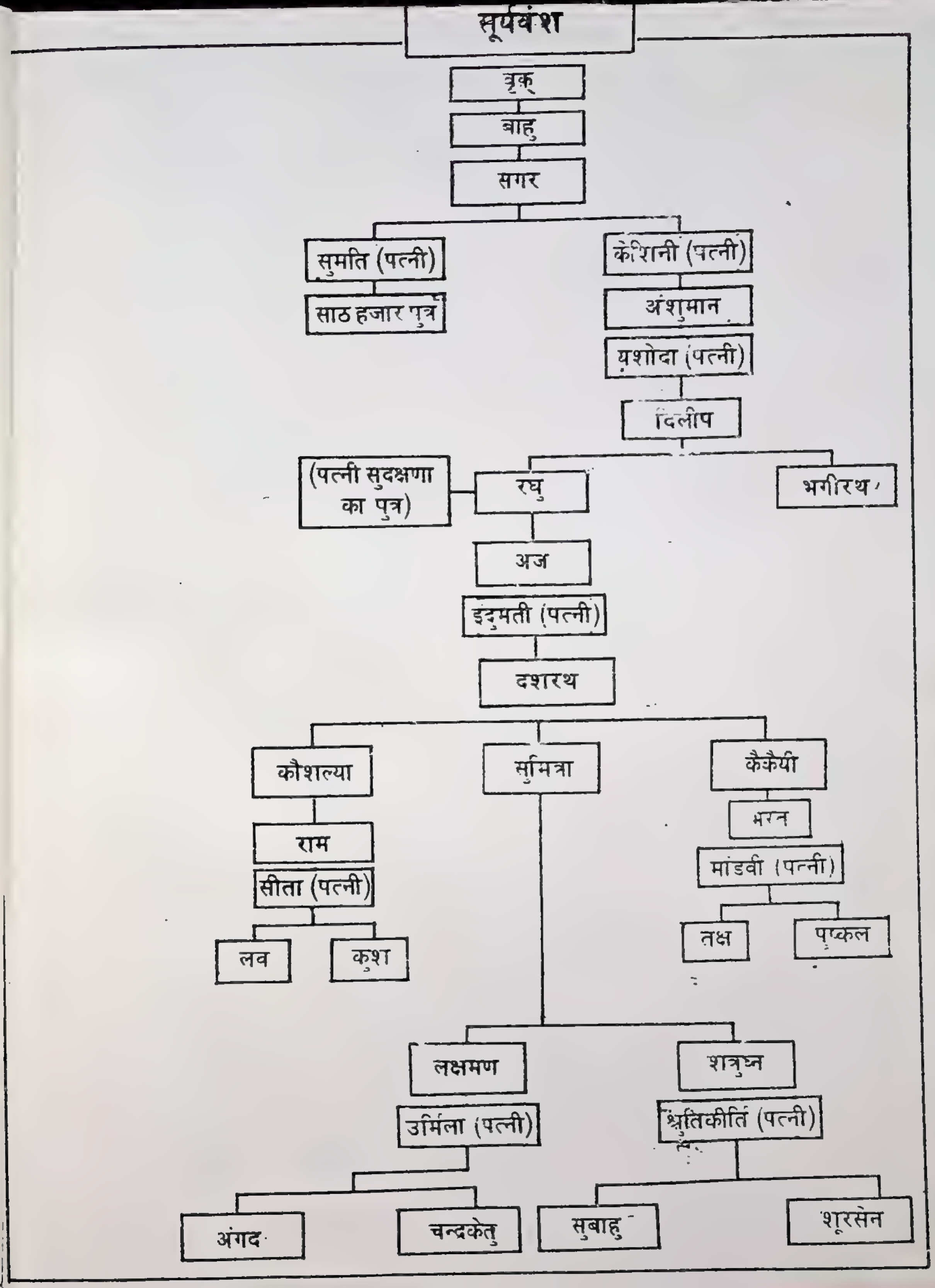
सूर्यवंश
वृक्
बाहु
सगर
सुमति (पत्नी)
साठ हजार पुत्र
केशिनी (पत्नी)
अंशुमान
यशोदा (पत्नी)
दिलीप
(पत्नी सुदक्षणा का पुत्र)
रघु
भगीरथ
अज
इंदुमती (पत्नी)
दशरथ
कौशल्या
सुमित्रा
कैकैयी
राम
सीता (पत्नी)
लव
कुश
भरत
मांडवी (पत्नी)
तक्ष
पुष्कल
लक्ष्मण
उर्मिला (पत्नी)
शत्रुघ्न
श्रुतिकीर्ति (पत्नी)
अंगद
चन्द्रकेतु
सुबाहु
शूरसेन

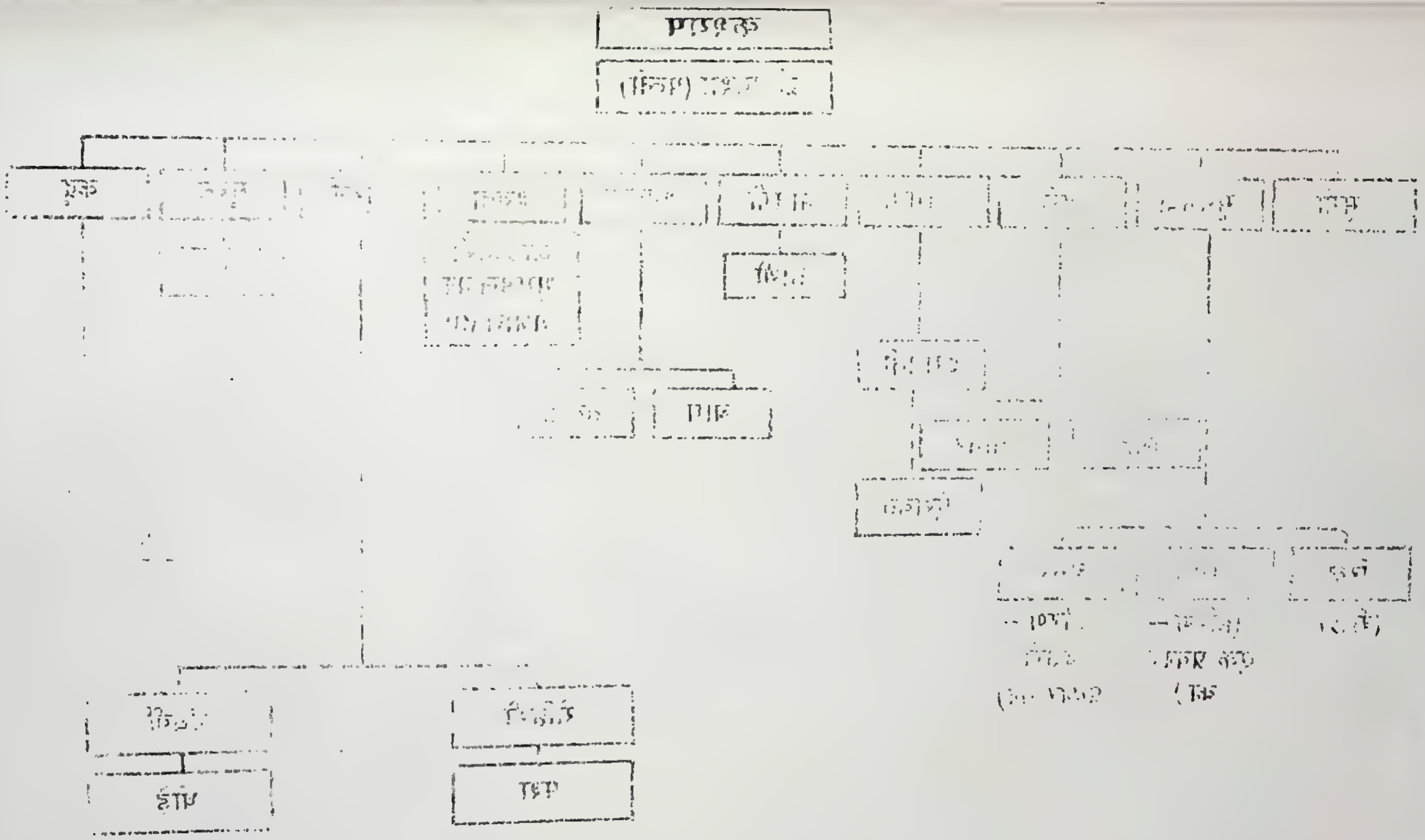

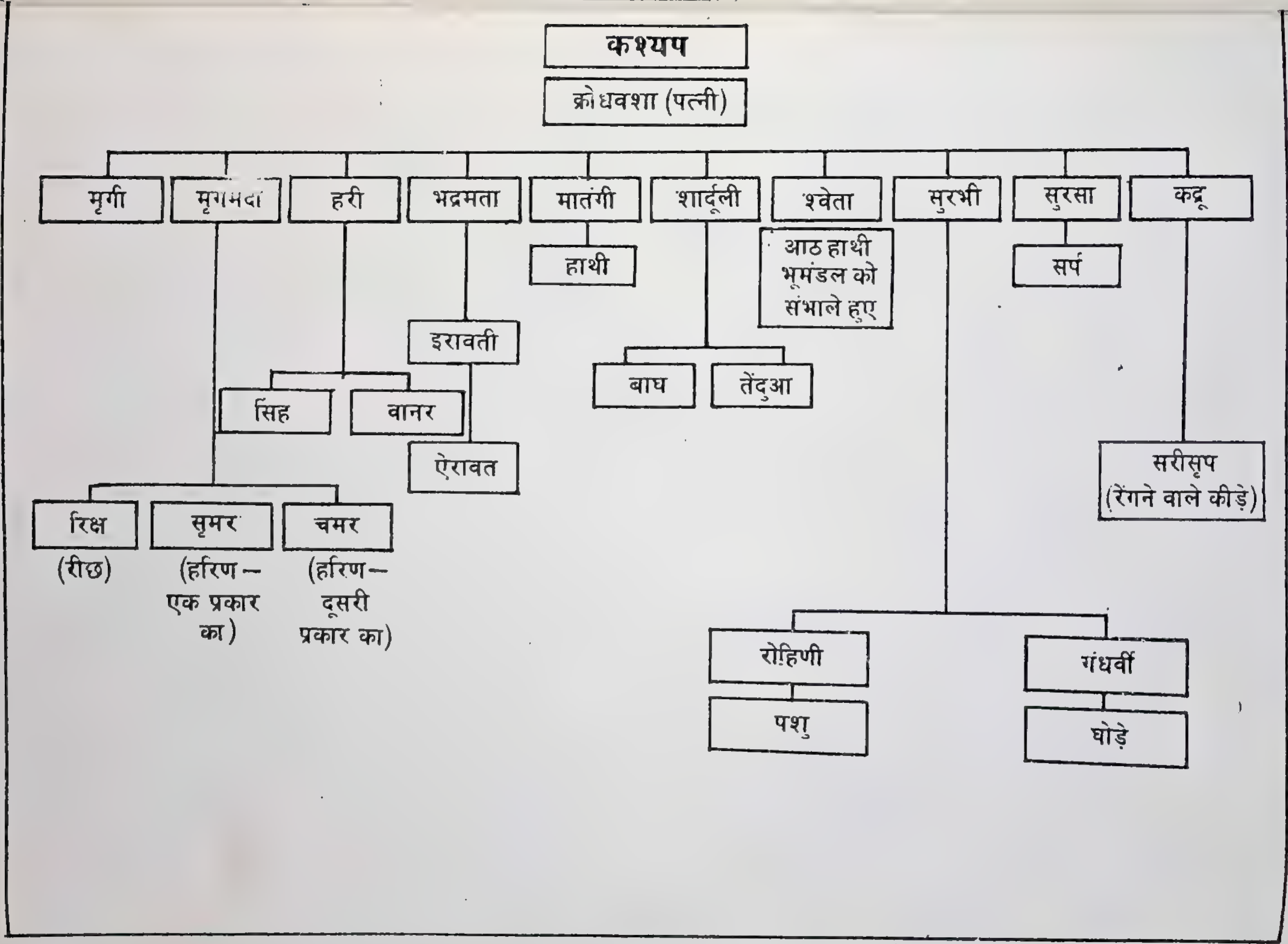
कश्यप
क्रोधवशा (पत्नी)
मृगी
मृगमदा
हरी
भद्रमता
मातंगी
शार्दूली
श्वेता
सुरभी
सुरसा
कद्रू
हाथी
आठ हाथी भूमंडल को संभाले हुए
सर्प
इरावती
सिंह
वानर
ऐरावत
बाघ
तेंदुआ
सरीसृप (रेंगने वाले कीड़े)
रिक्ष (रीछ)
सृमर (हरिण — एक प्रकार का)
चमर (हरिण — दूसरी प्रकार का)
रोहिणी
पशु
गंधर्वी
घोड़े

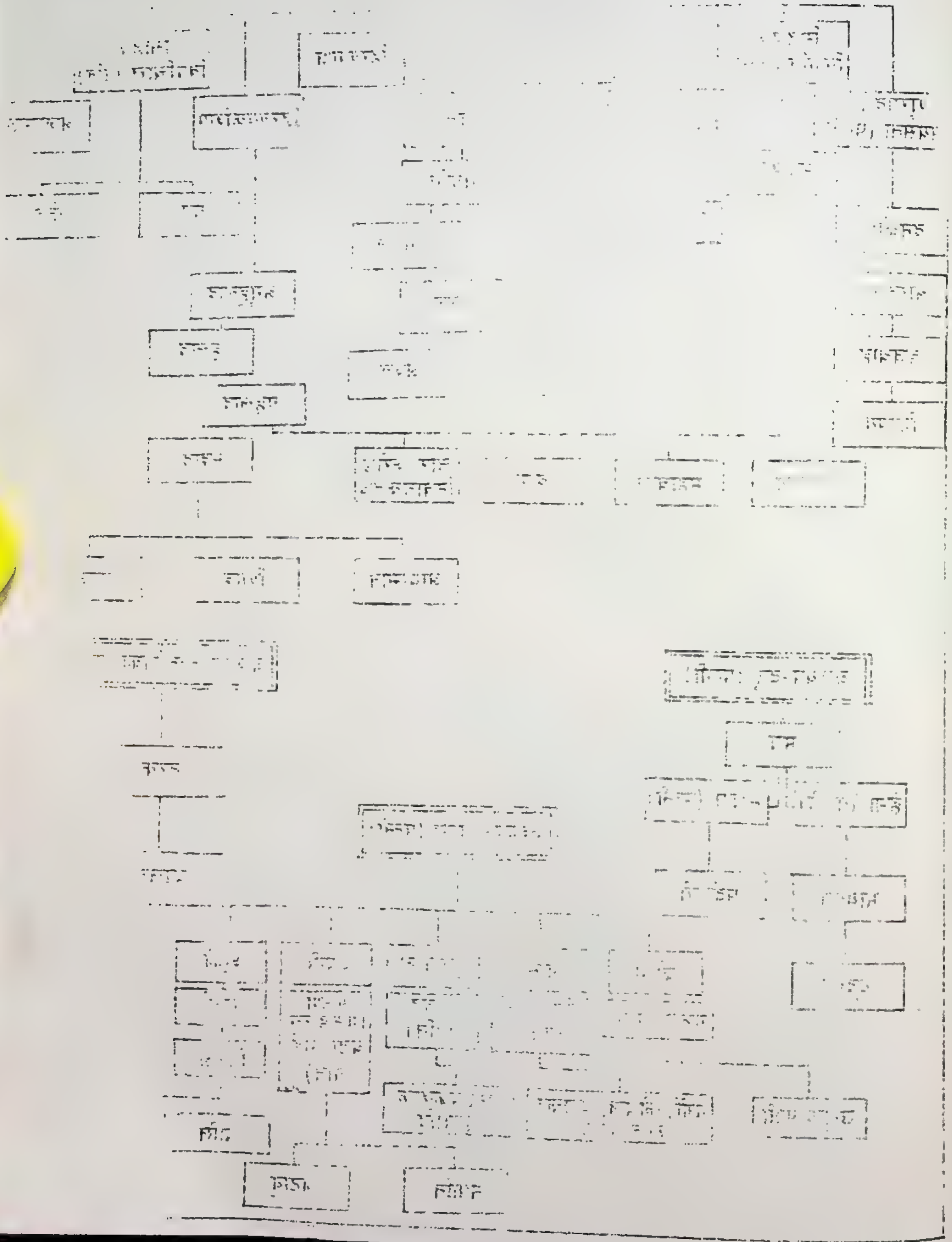

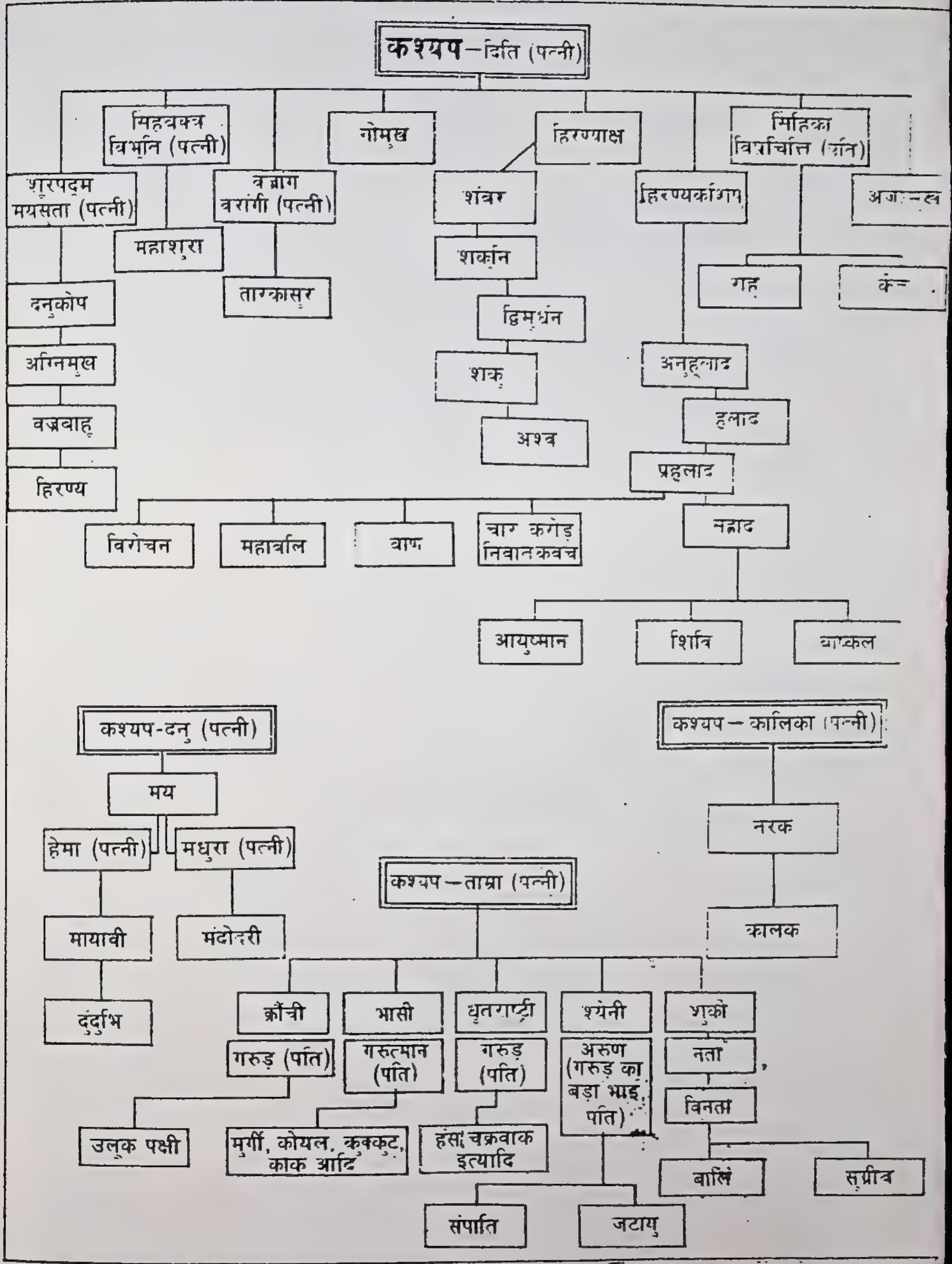
कश्यप–दिति (पत्नी)
सिंहवक्त्र
विभूति (पत्नी)
नोमुख
हिरण्याक्ष
सिंहिका
विप्रचित्ति (पति)
शूरपद्म
मयसुता (पत्नी)
वज्रांग
वरांगी (पत्नी)
शंबर
हिरण्यकशिपु
महाशूर
तारकासुर
शकुनि
राहु
केतु
दनुकोप
द्विमूर्धन
अग्निमुख
शकु
अनुह्लाद
वज्रबाहु
अश्व
ह्लाद
हिरण्य
प्रह्लाद
विरोचन
महाबलि
बाण
चार करोड़
निवातकवच
संह्राद
आयुष्मान
शिवि
बाष्कल
कश्यप-दनु (पत्नी)
कश्यप – कालिका (पत्नी)
मय
नरक
हेमा (पत्नी)
मधुरा (पत्नी)
कश्यप – ताम्रा (पत्नी)
मायावी
मंदोदरी
कालक
दुंदुभि
क्रौंची
भासी
धृतराष्ट्री
श्येनी
शुकी
गरुड़ (पति)
गरुत्मान
(पति)
गरुड़
(पति)
अरुण
(गरुड़ का
बड़ा भाइ,
पति)
नता
विनता
उलूक पक्षी
मुर्गी, कोयल, कुक्कुट,
काक आदि
हंस, चक्रवाक
इत्यादि
बालि
सुग्रीव
संपाति
जटायु

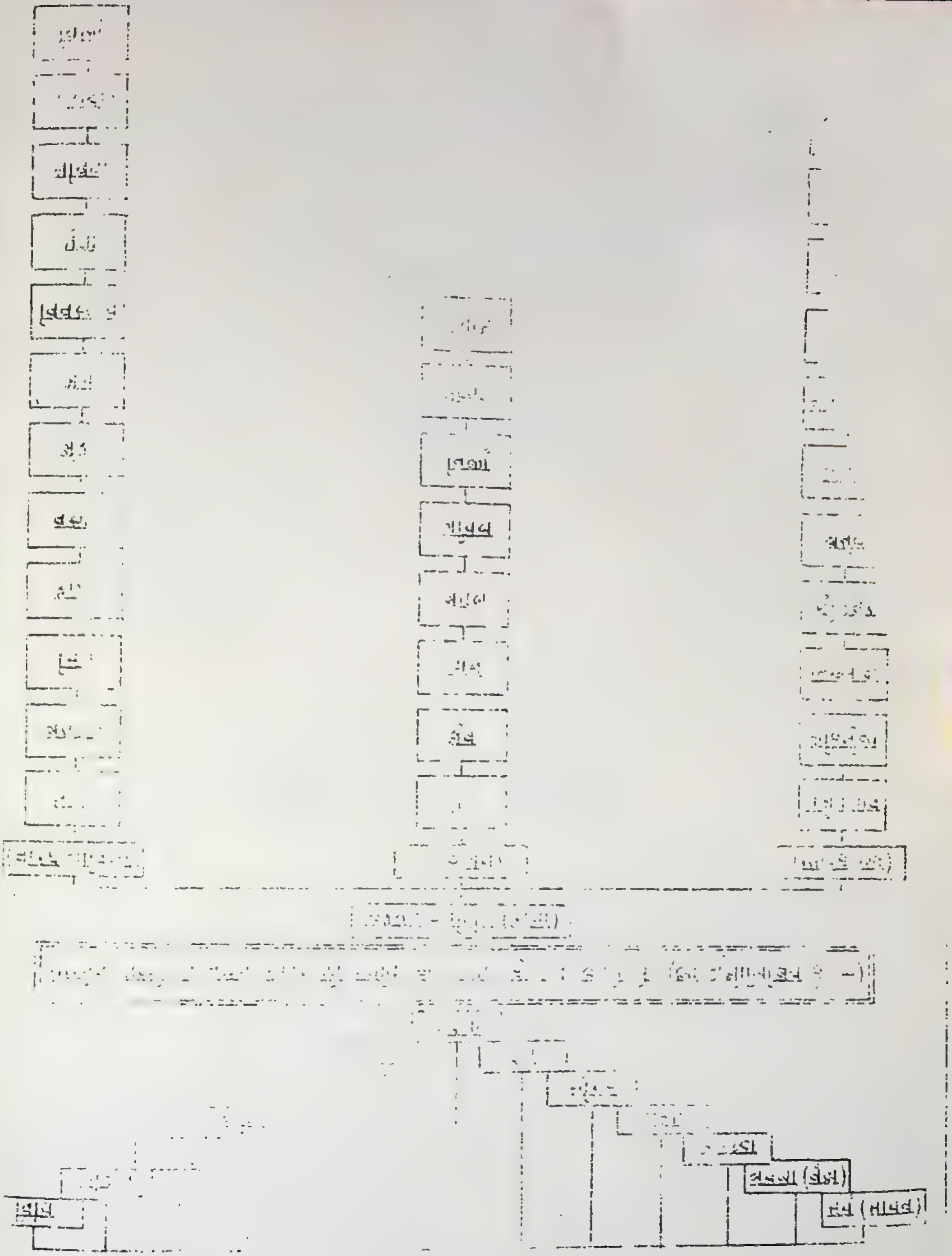

कश्यप
अनेक विवाह किये

- दिति
- अदिति
- दनु
- कालिका
- ताम्रा
- क्रोधवशा
- सुरसा
- इरा
- सुरभि
- खशा
- अरिष्टा
- अनला (वृक्ष)
- मनु (मानव)

(प्रत्येक पत्नी से अलग प्रकार की संतति का जन्म हुआ । उनमें से मुख्य अधोलिखित हैं :–)

कश्यप–अदिति (पत्नी)

(बारह आदित्य)
- धाता
- अर्यमन
- मित्र
- शक्र
- वरुण
- अंश
- भग
- विवस्वान्
- पूषा
- सविता
- त्वष्टा
- विष्णु

(आठ वसु)
- धर
- ध्रुव
- सोम
- अनल
- अनिल
- विष्णु
- प्रत्यूष
- प्रभास

(ग्यारह रुद्र)
- अजैकपाद
- अहिर्बुध्न
- विरूपाक्ष
- सुरेश्वर
- जयंत
- बहुरूपा
- अपराजित
- सावित्र
- त्र्यंबक
- वैवश्वत
- हर

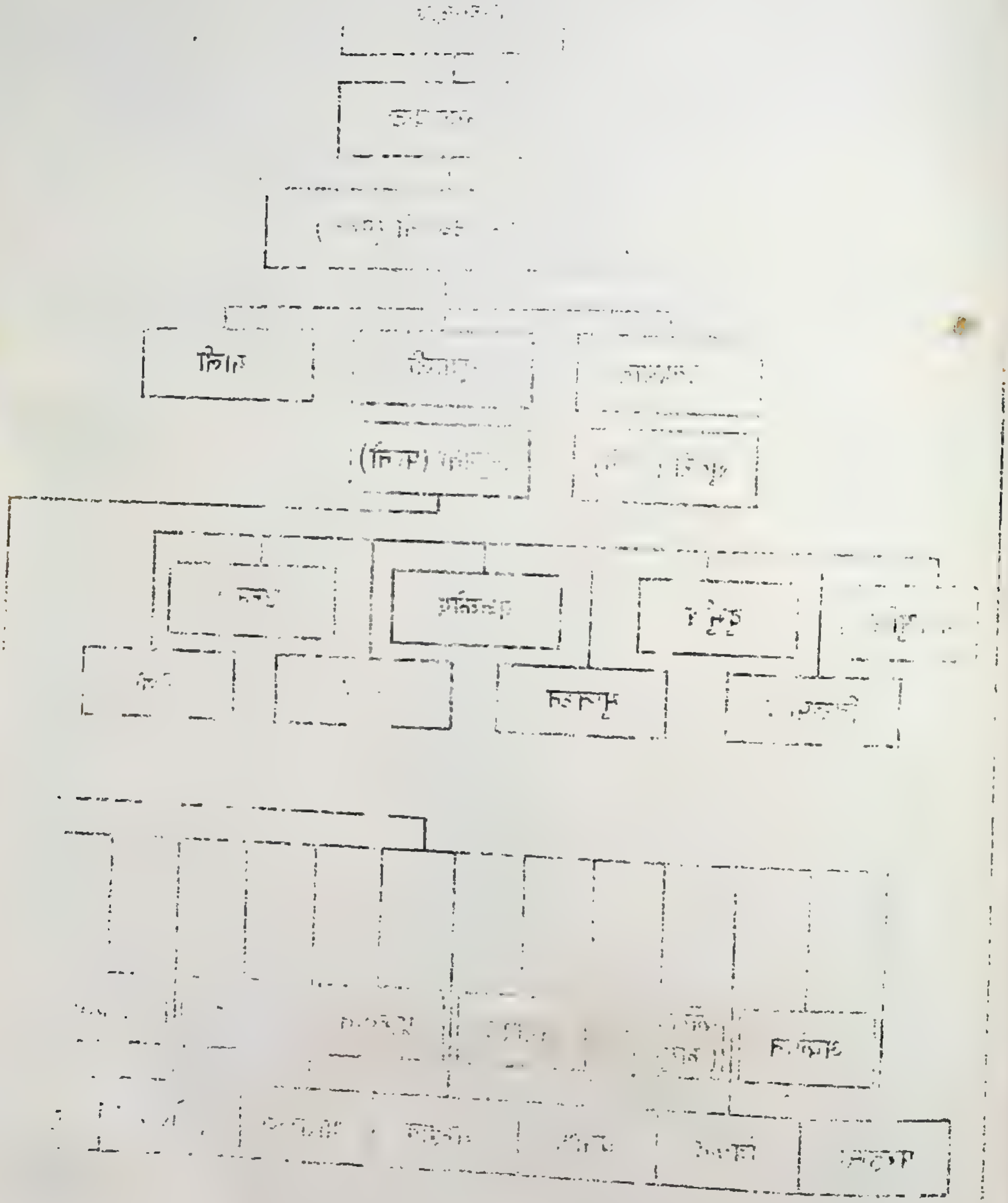

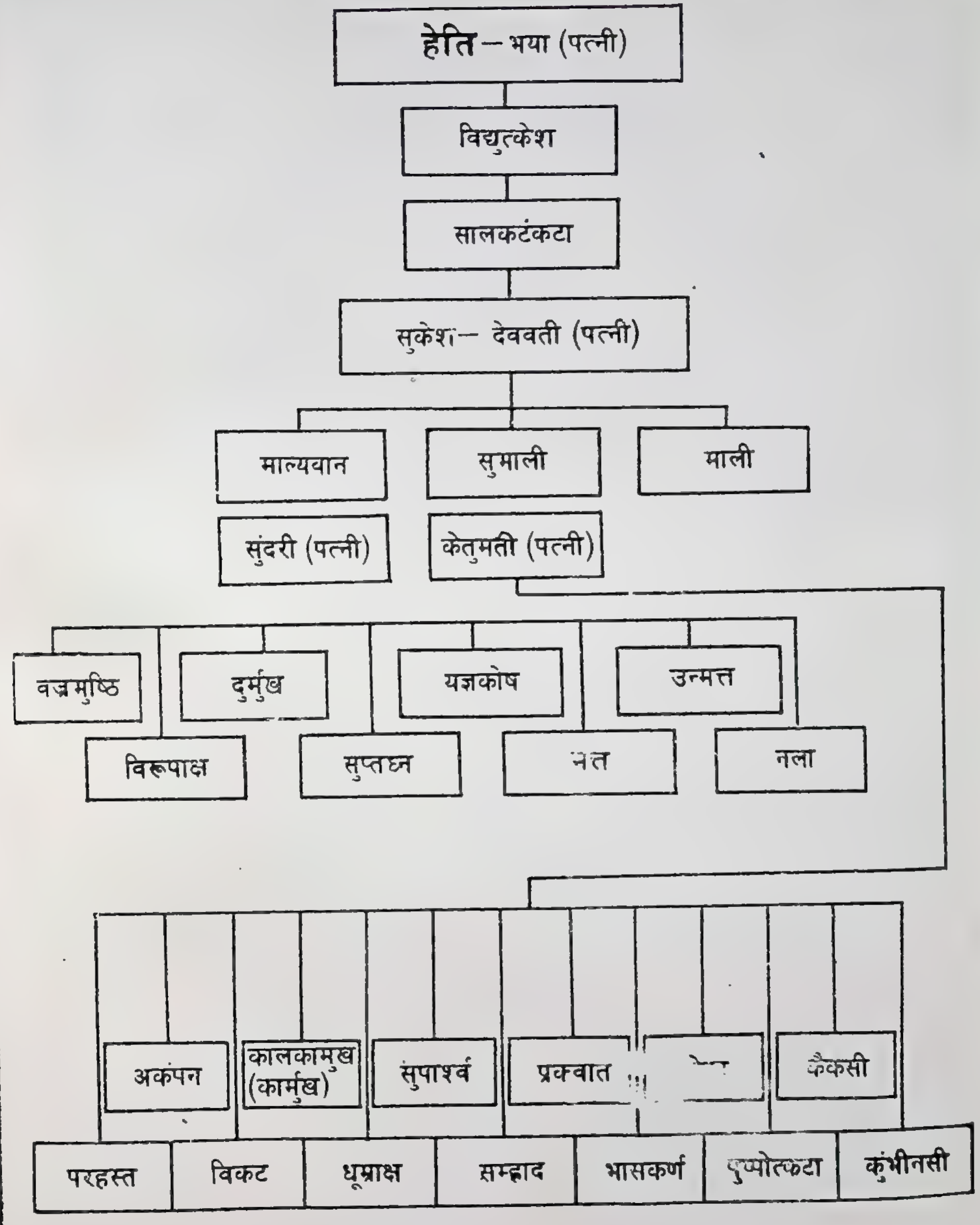

हेति – भया (पत्नी)
विद्युत्केश
सालकटंकटा
सुकेश – देववती (पत्नी)
माल्यवान
सुमाली
माली
सुंदरी (पत्नी)
केतुमती (पत्नी)
वज्रमुष्ठि
दुर्मुख
यज्ञकोष
उन्मत्त
विरूपाक्ष
सुप्तघ्न
नला
अकंपन
कालकामुख (कार्मुख)
सुपार्श्व
प्रक्वात
कैकसी
परहस्त
विकट
धूम्राक्ष
सम्ह्राद
भासकर्ण
पुष्पोत्कटा
कुंभीनसी

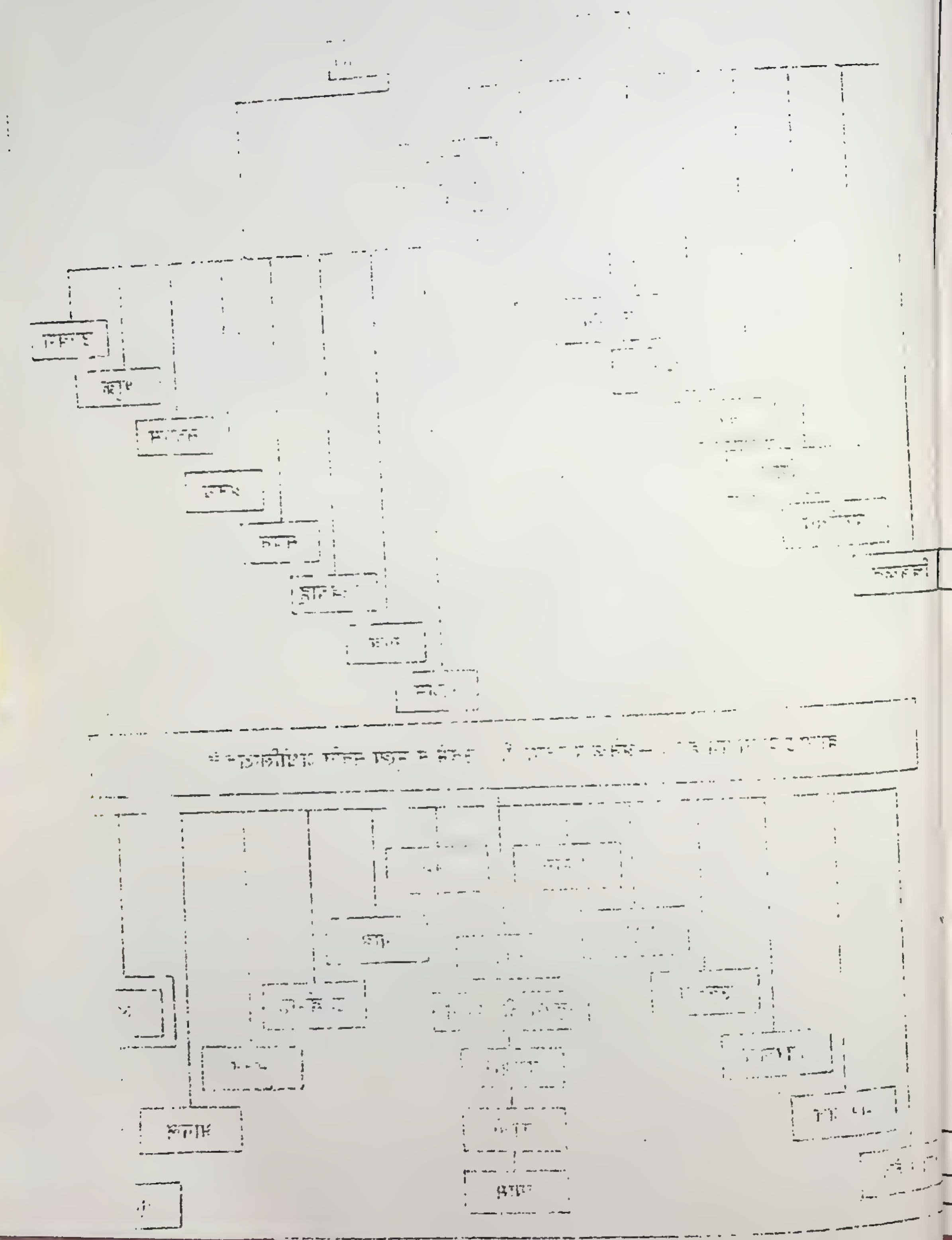

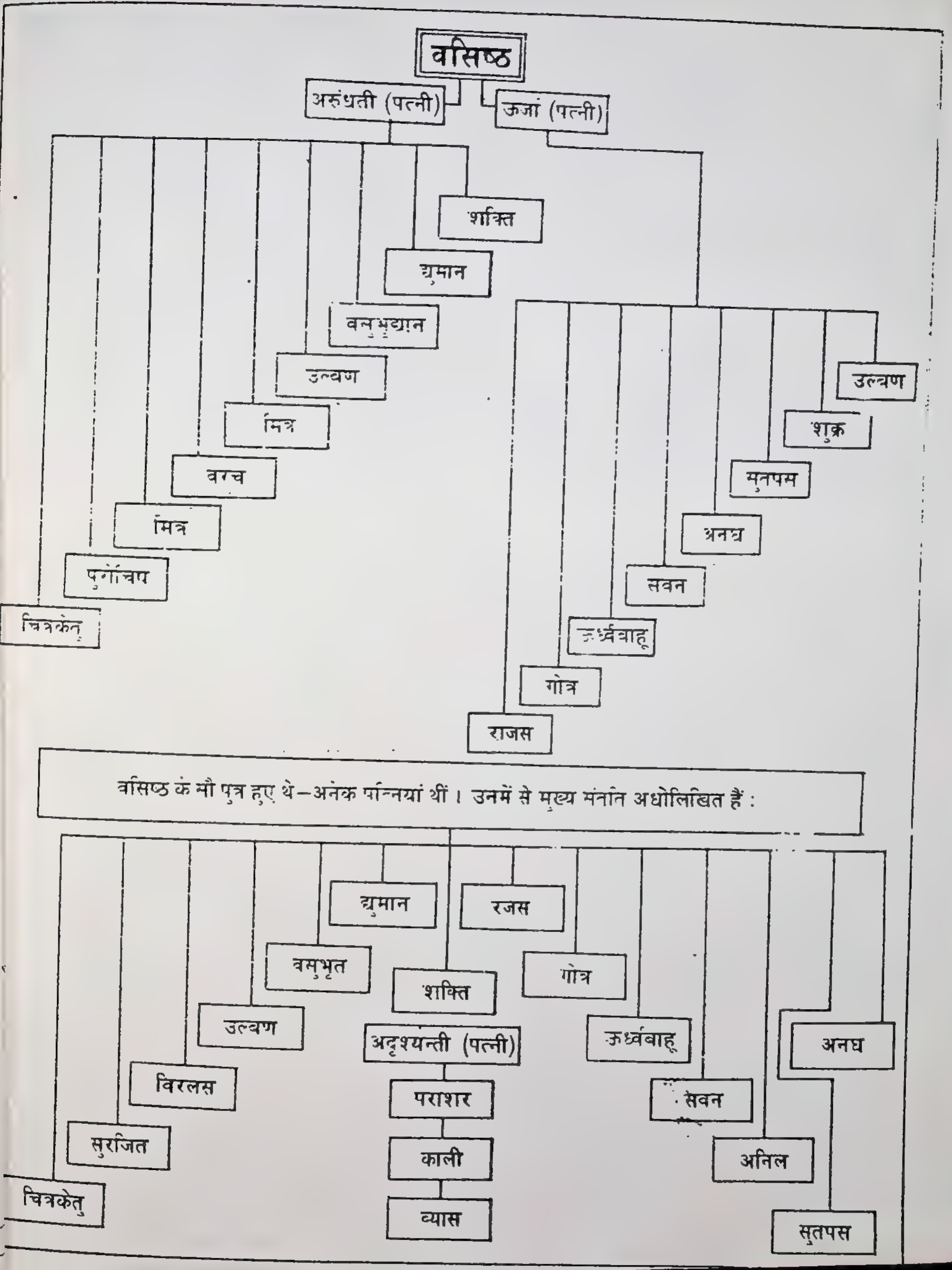

वसिष्ठ
अरुंधती (पत्नी)
ऊर्जा (पत्नी)
शक्ति
द्युमान
वसुभृद्यान
उल्वण
मित्र
वरुच
मित्र
पुरोचिष
चित्रकेतु
उल्वण
शुक्र
सुतपस
अनघ
सवन
ऊर्ध्वबाहू
गोत्र
राजस
वसिष्ठ के सौ पुत्र हुए थे—अनेक पत्नियां थीं। उनमें से मुख्य संतति अधोलिखित हैं :
द्युमान
रजस
वसुभृत
शक्ति
गोत्र
उल्वण
अदृश्यन्ती (पत्नी)
ऊर्ध्वबाहू
अनघ
विरलस
पराशर
सवन
सुरजित
काली
अनिल
चित्रकेतु
व्यास
सुतपस

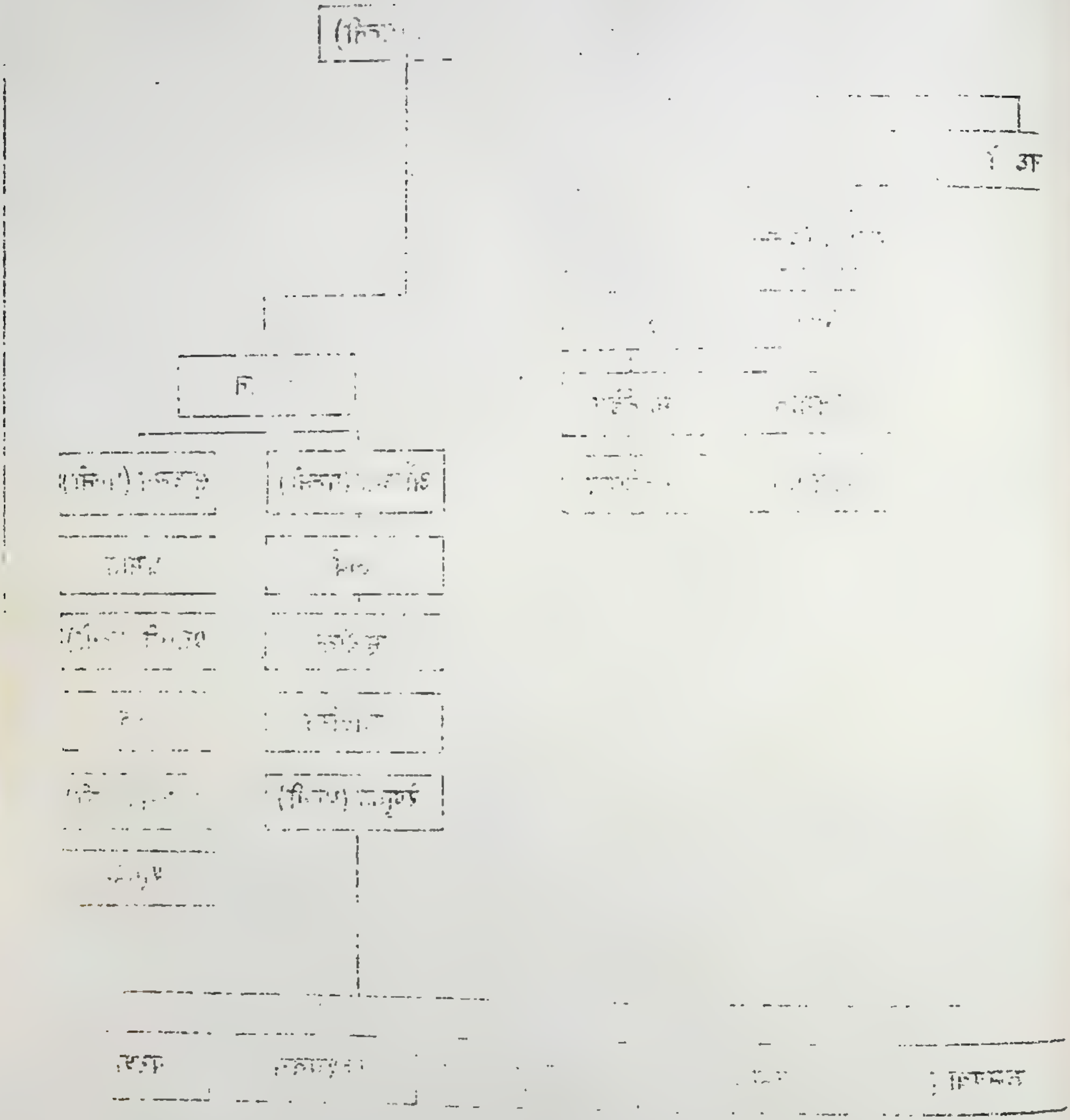

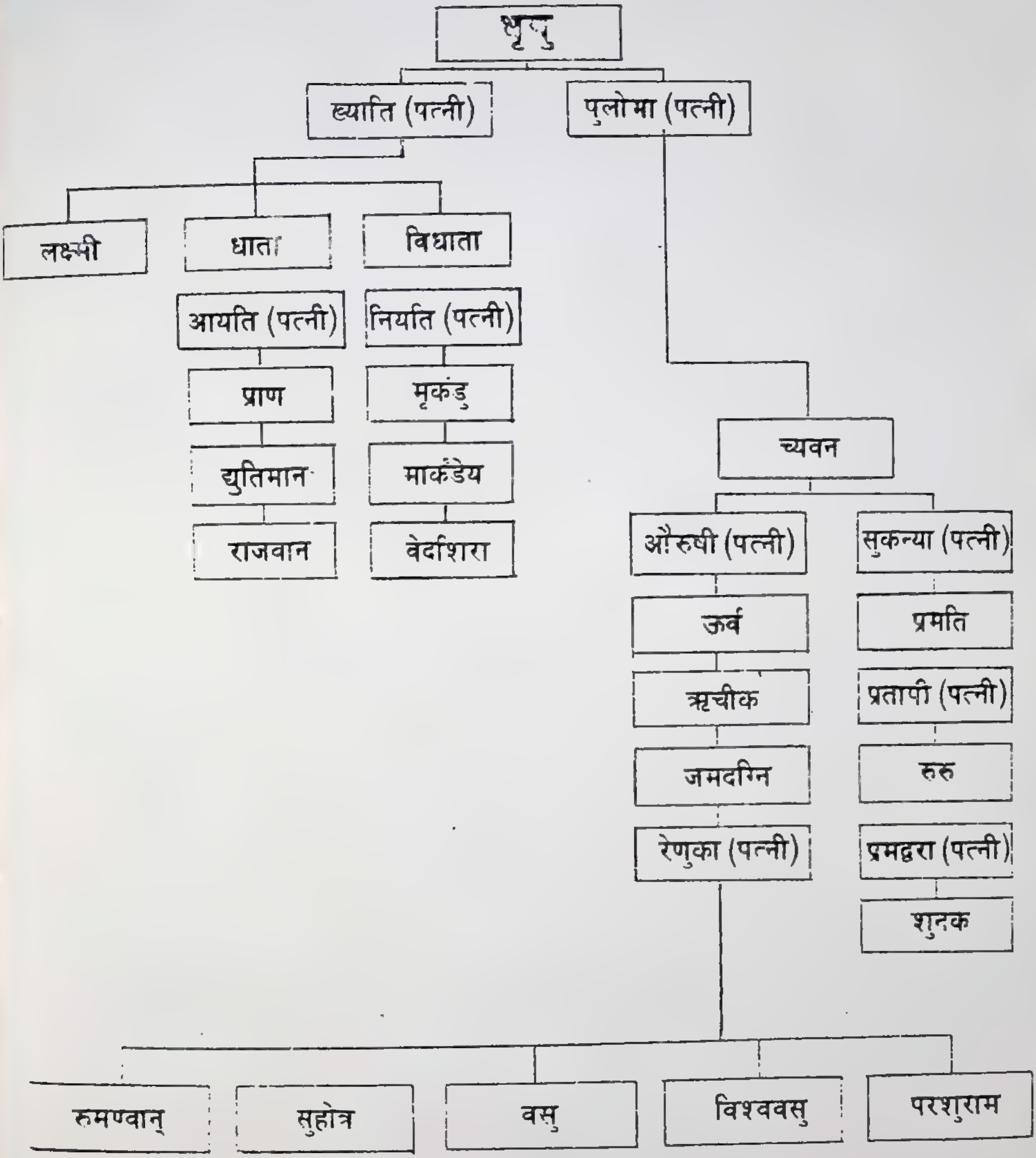
भृगु
ख्याति (पत्नी)
पुलोमा (पत्नी)
लक्ष्मी
धाता
विधाता
आयति (पत्नी)
नियति (पत्नी)
प्राण
मृकंडु
द्युतिमान
मार्कंडेय
राजवान
वेदशिरा
च्यवन
औरुषी (पत्नी)
सुकन्या (पत्नी)
उर्व
प्रमति
ऋचीक
प्रतापी (पत्नी)
जमदग्नि
रुरु
रेणुका (पत्नी)
प्रमद्वरा (पत्नी)
शुनक
रुमण्वान्
सुहोत्र
वसु
विश्ववसु
परशुराम

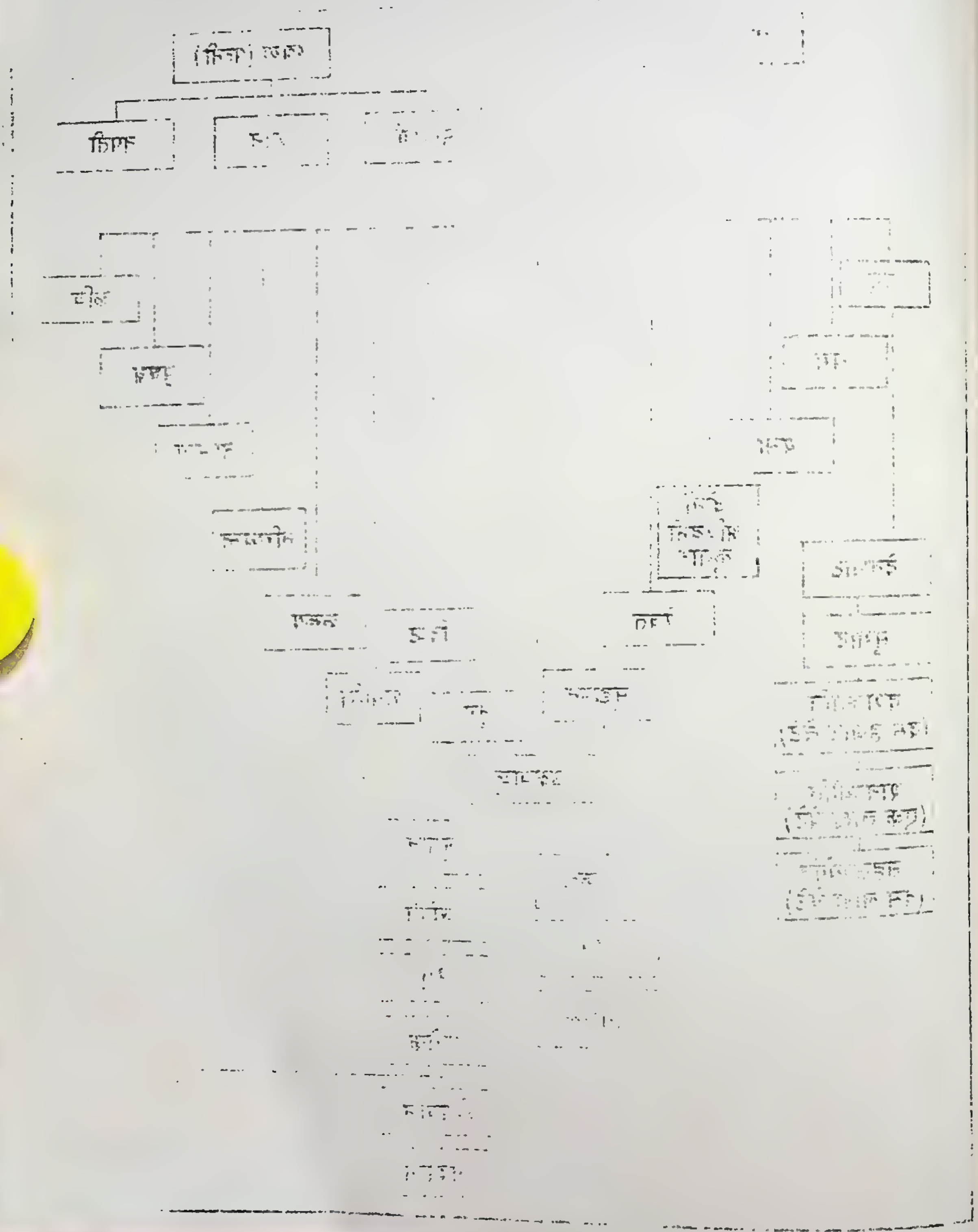

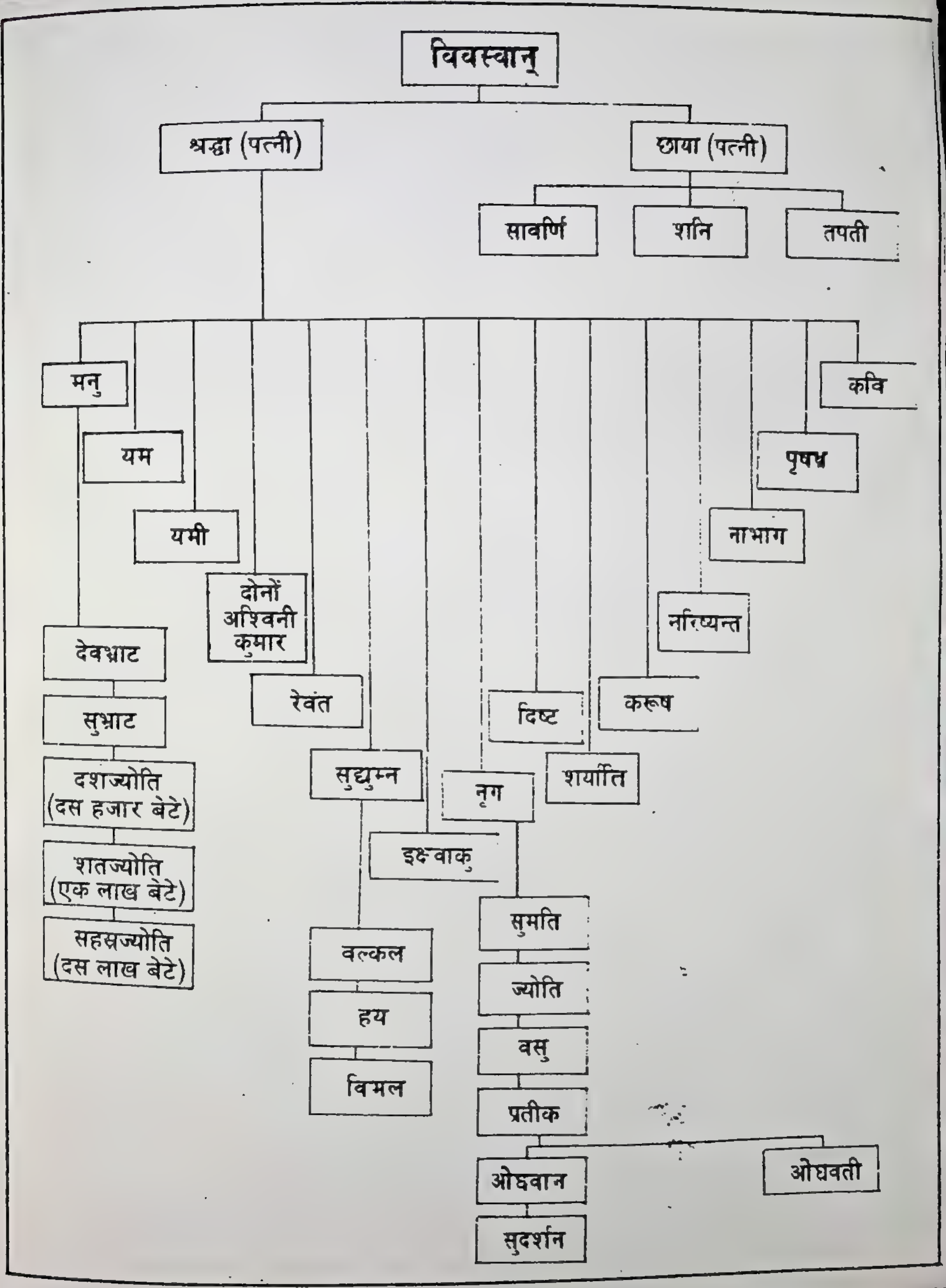
विवस्वान्
श्रद्धा (पत्नी)
छाया (पत्नी)
सावर्णि
शनि
तपती
मनु
यम
यमी
दोनों अश्विनी कुमार
रेवंत
सुद्युम्न
इक्ष्वाकु
नृग
दिष्ट
शर्याति
करूष
नरिष्यन्त
नाभाग
पृषध्र
कवि
देवभ्राट
सुभ्राट
दशज्योति (दस हजार बेटे)
शतज्योति (एक लाख बेटे)
सहस्रज्योति (दस लाख बेटे)
वल्कल
हय
विमल
सुमति
ज्योति
वसु
प्रतीक
ओघवान
ओघवती
सुदर्शन

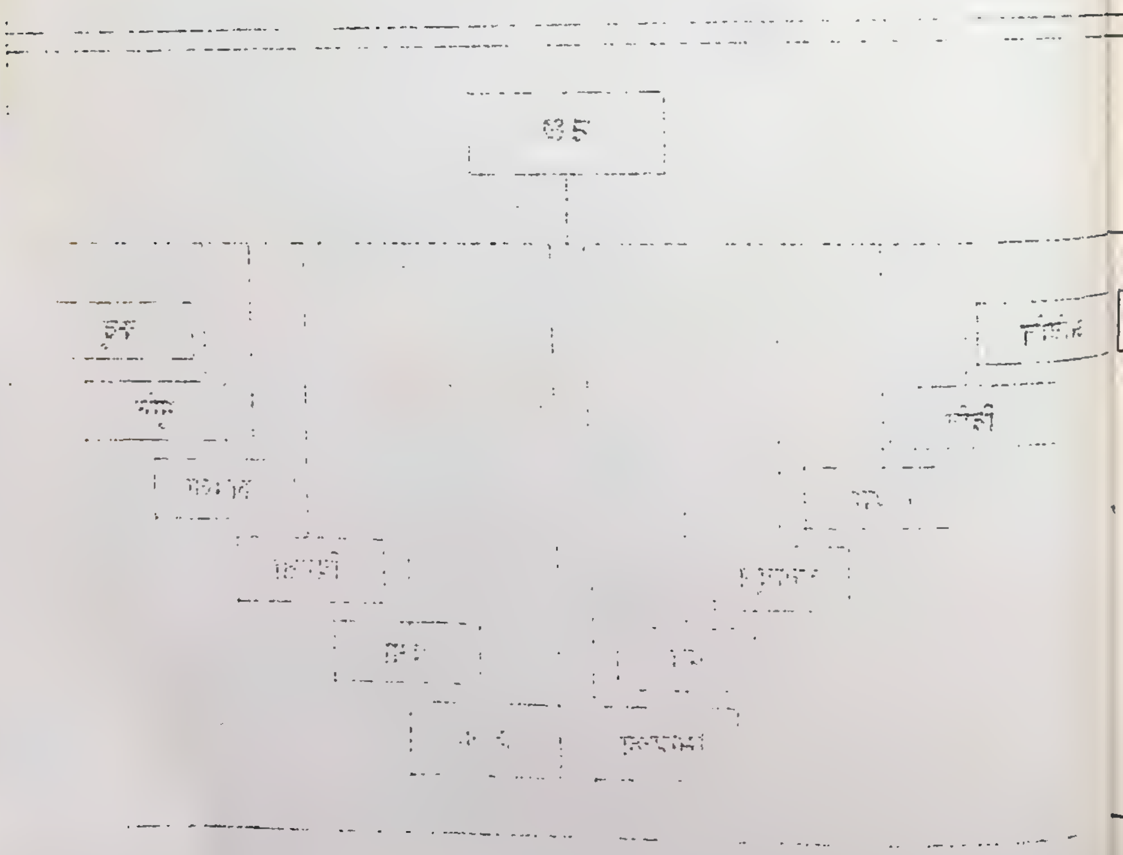

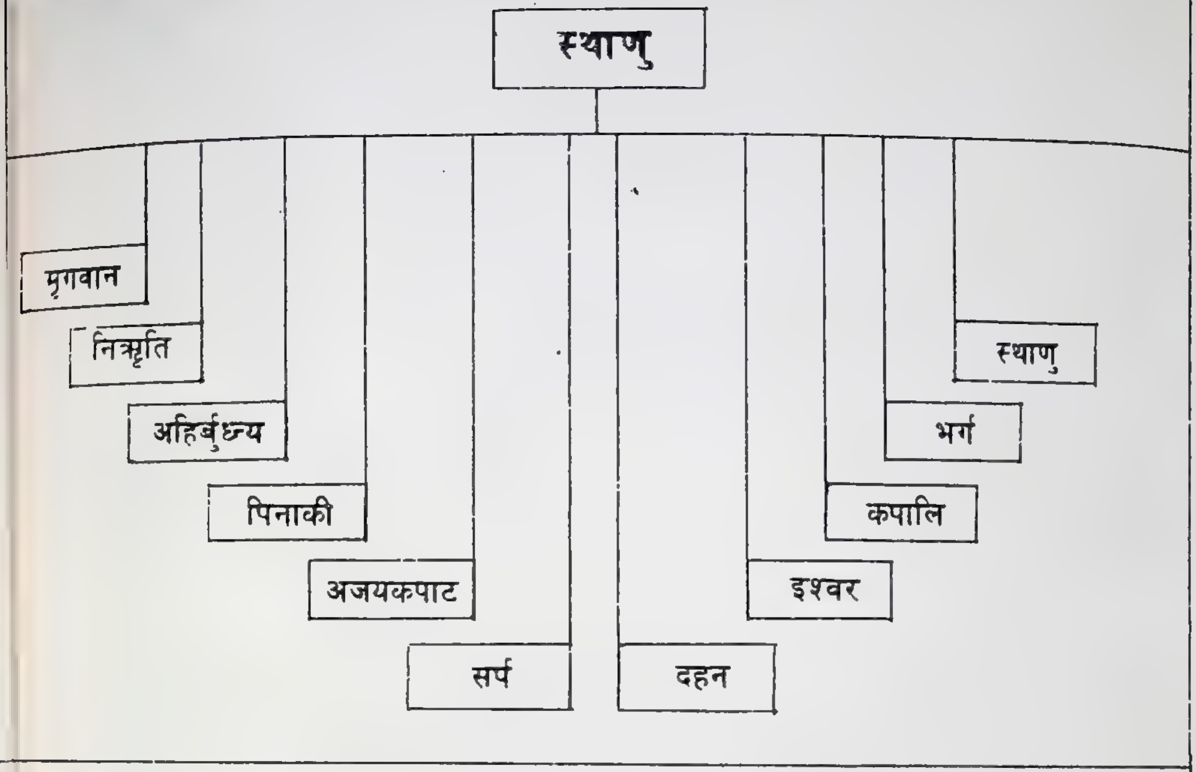
स्थाणु
मृगवान
निर्ऋति
अहिर्बुध्न्य
पिनाकी
अजयकपाट
सर्प
दहन
इश्वर
कपालि
भर्ग
स्थाणु

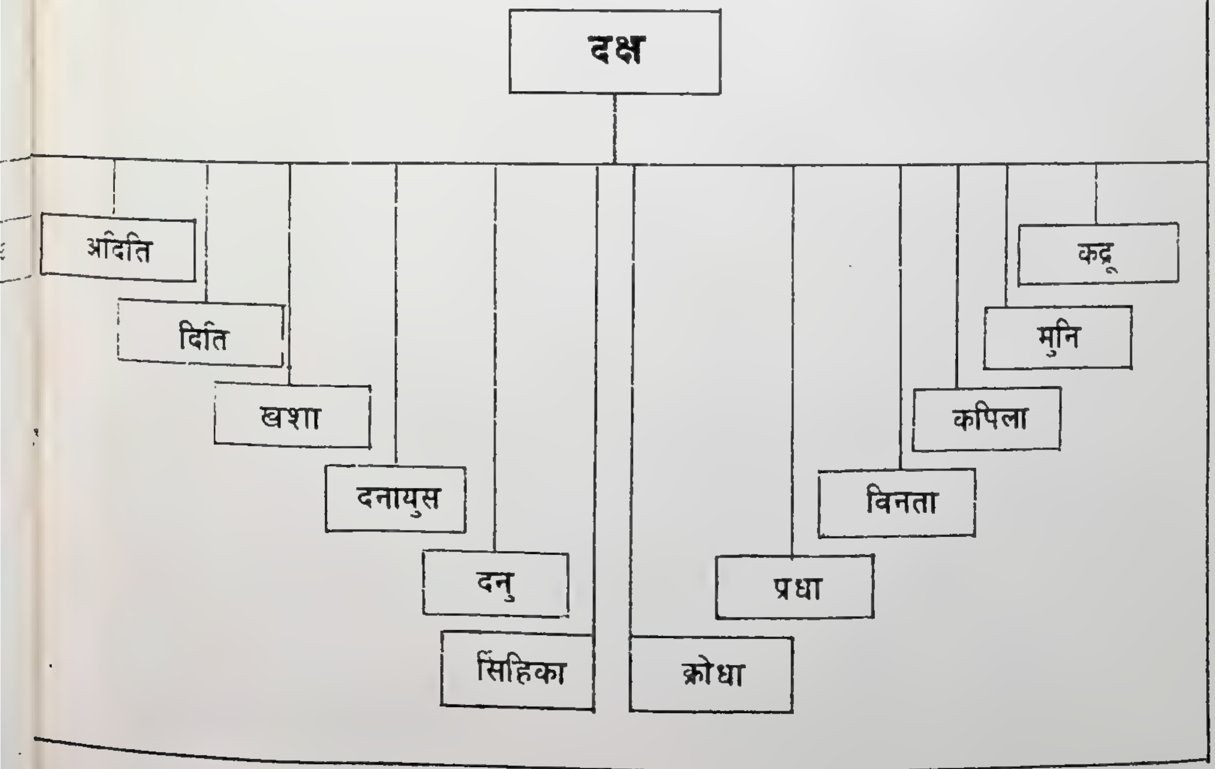
दक्ष
अदिति
दिति
खशा
दनायुस
दनु
सिंहिका
क्रोधा
प्रधा
विनता
कपिला
मुनि
कद्रू

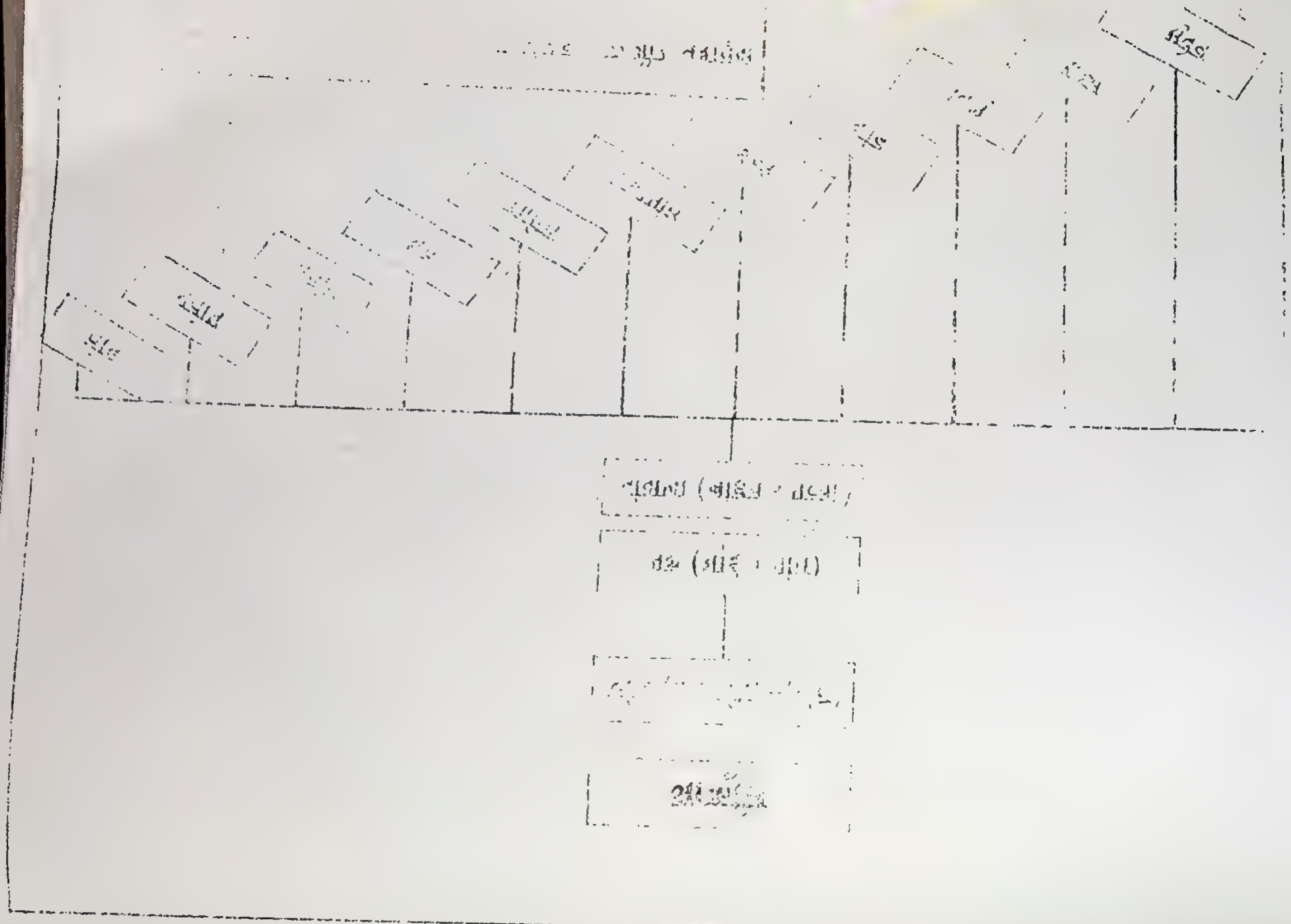

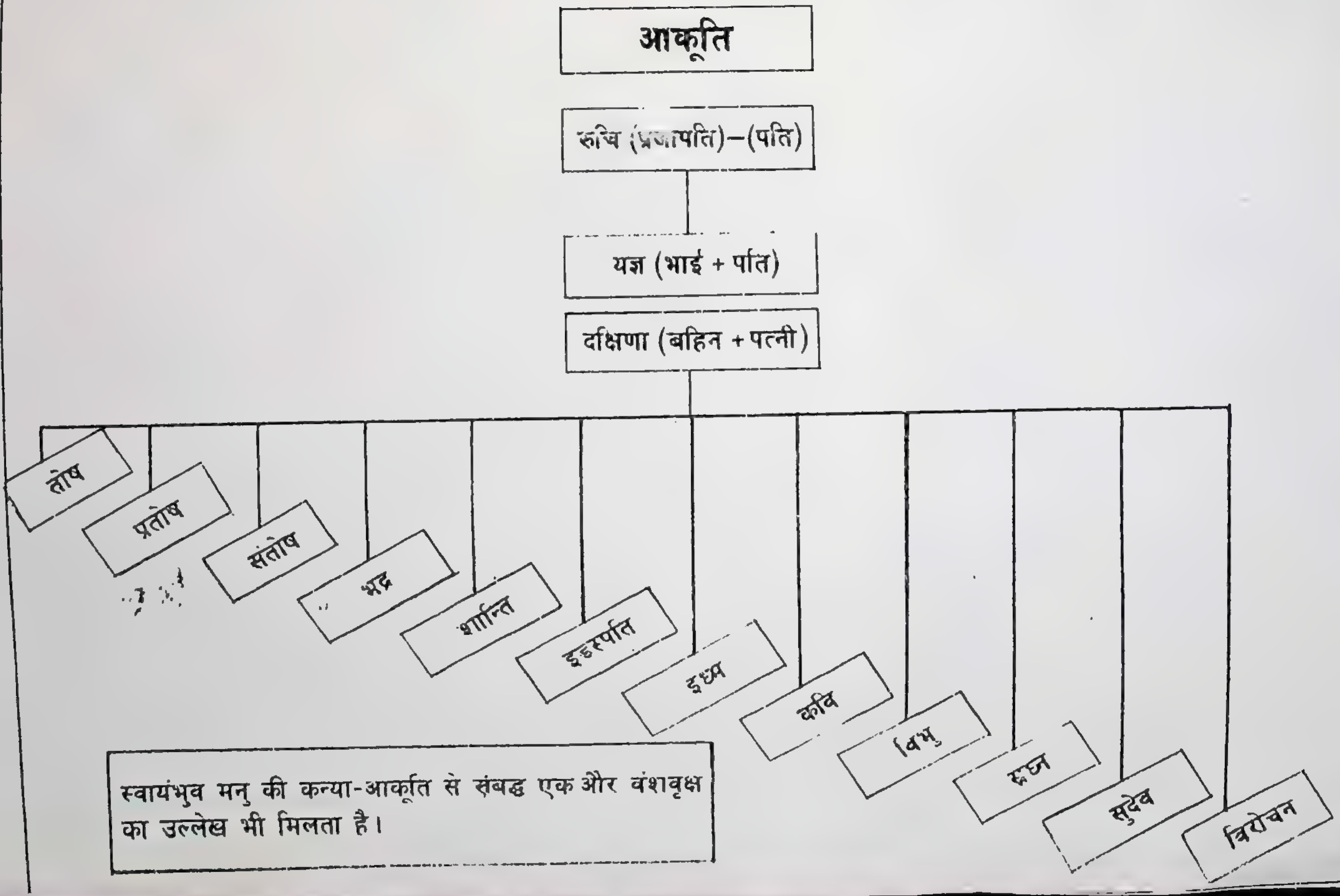

स्वायंभुव मनु की कन्या-आकूति से संबद्ध एक और वंशवृक्ष का उल्लेख भी मिलता है।

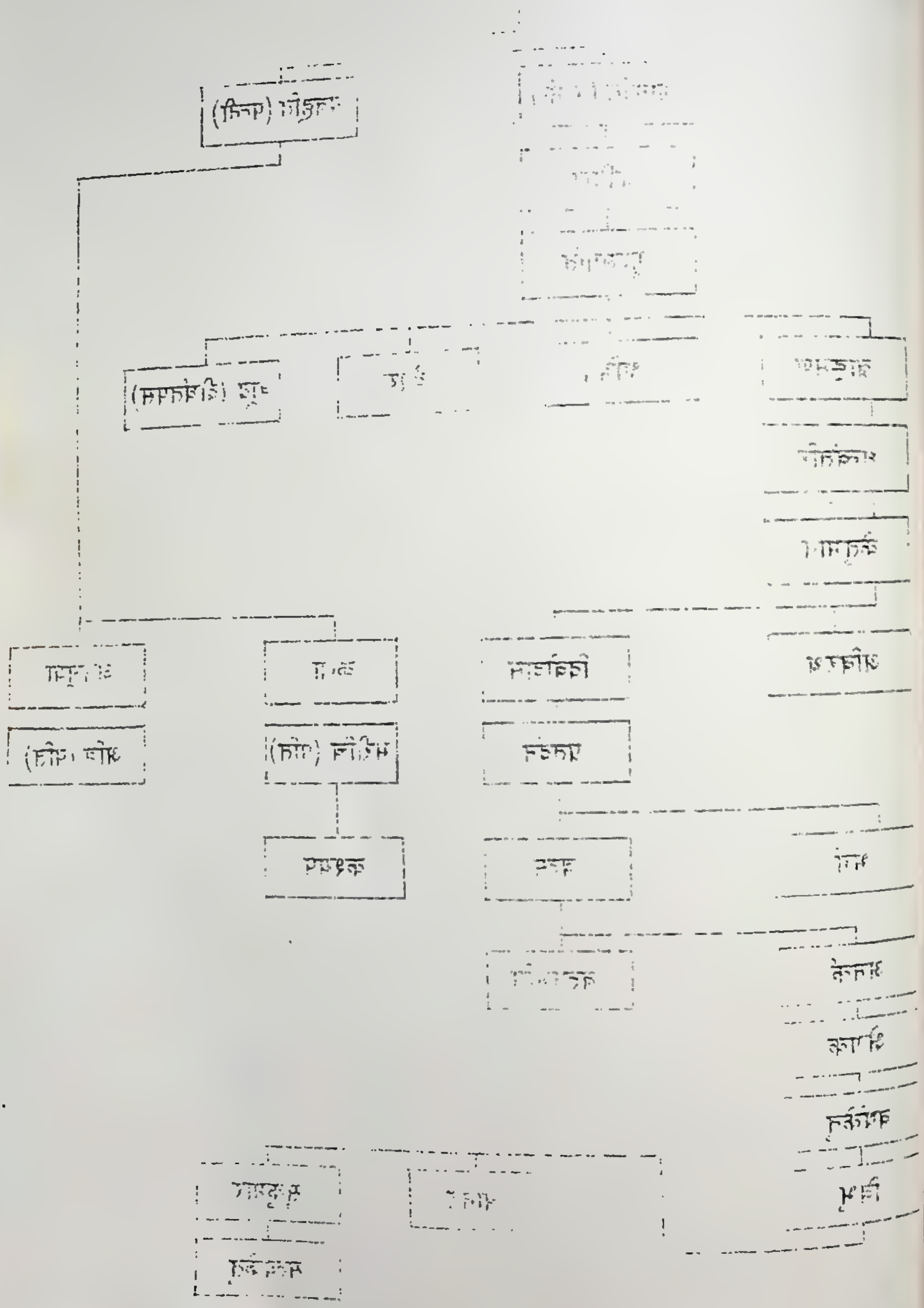

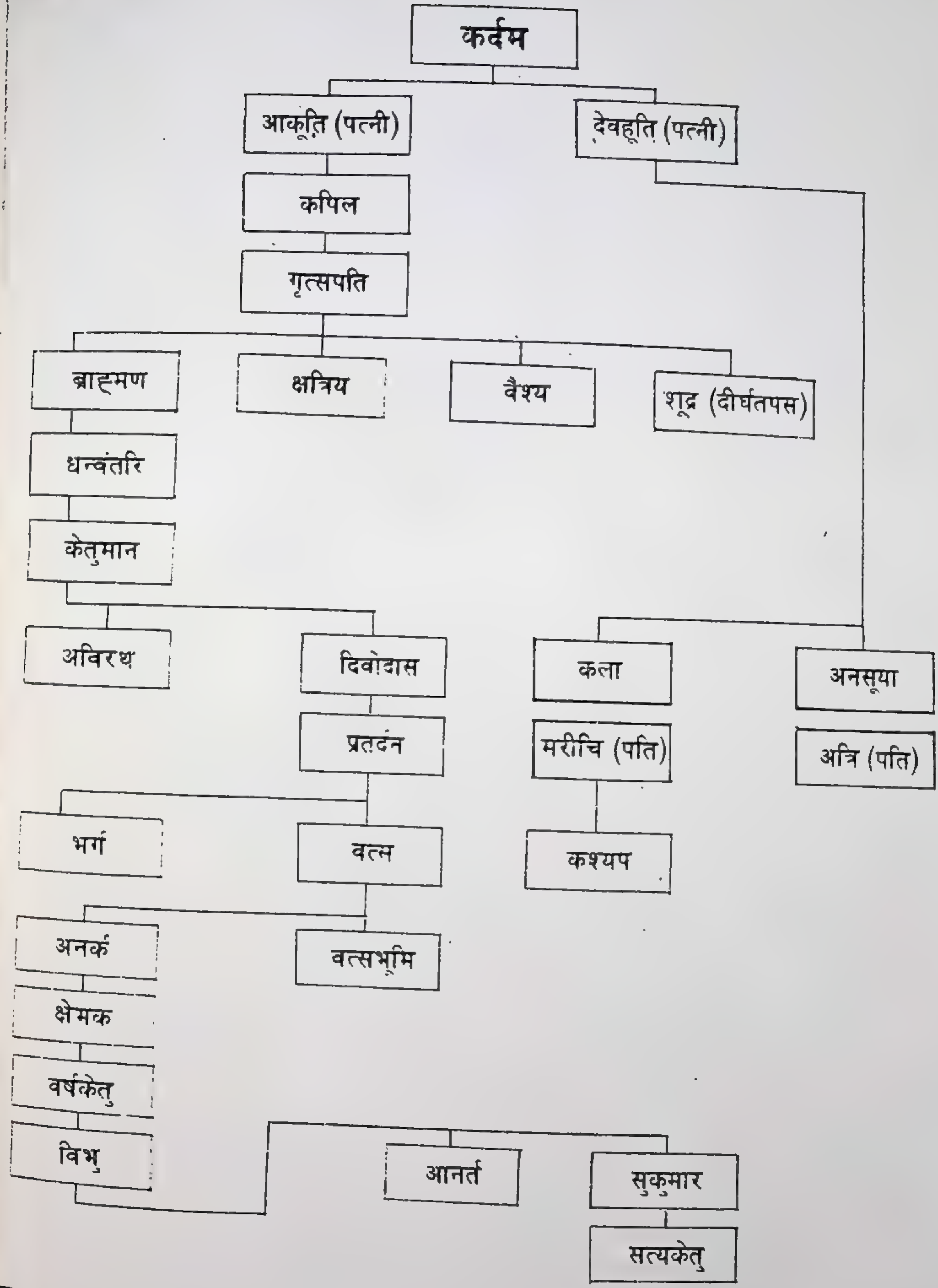
कर्दम
आकूति (पत्नी)
देवहूति (पत्नी)
कपिल
गृत्सपति
ब्राह्मण
क्षत्रिय
वैश्य
शूद्र (दीर्घतपस)
धन्वंतरि
केतुमान
अविरथ
दिवोदास
कला
अनसूया
प्रतर्दन
मरीचि (पति)
अत्रि (पति)
भर्ग
वत्स
कश्यप
अनर्क
वत्सभूमि
क्षेमक
वर्षकेतु
विभु
आनर्त
सुकुमार
सत्यकेतु

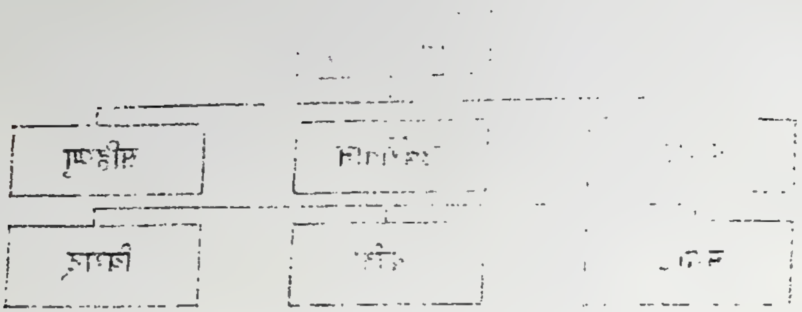

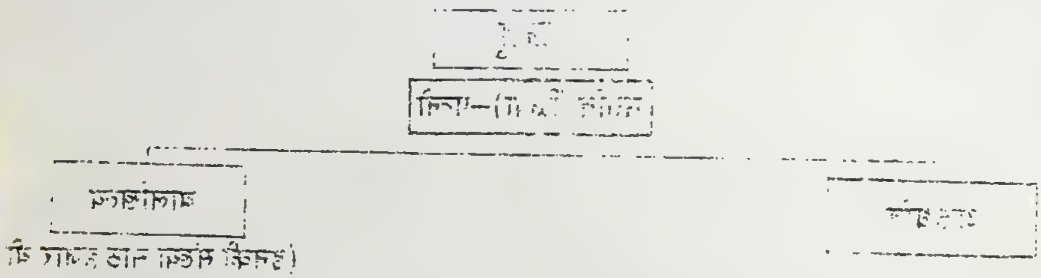

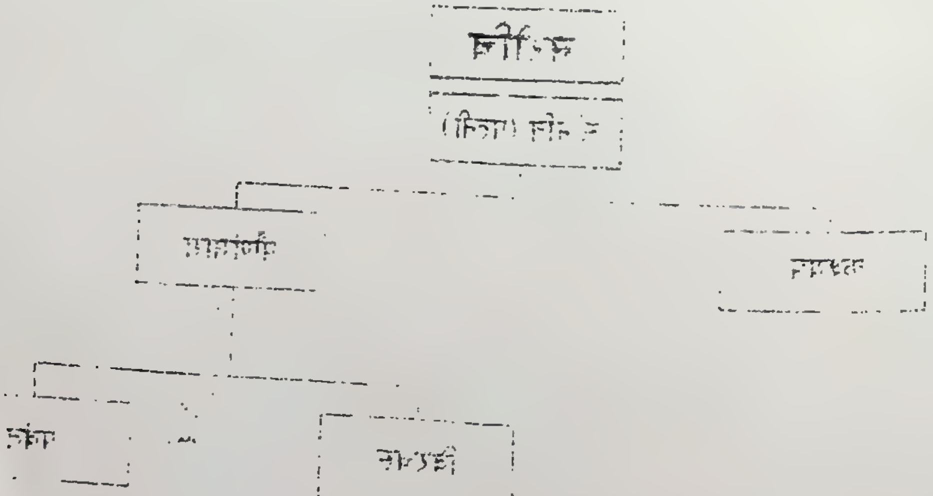

पुलह

- क्षमा (पत्नी)
  - कर्दम
  - उर्वरीवान
  - सहिष्णु
  - सम्राट
  - कुक्षि
  - विराट्

क्रतु

- संतति (क्रिया)–पत्नी
  - अरुंधति
  - बालखिल्य (इनकी संख्या साठ हज़ार थी)

मरीचि

- संभूति (पत्नी)
  - कश्यप
  - पौर्णमास
    - विरचस
    - पर्वत

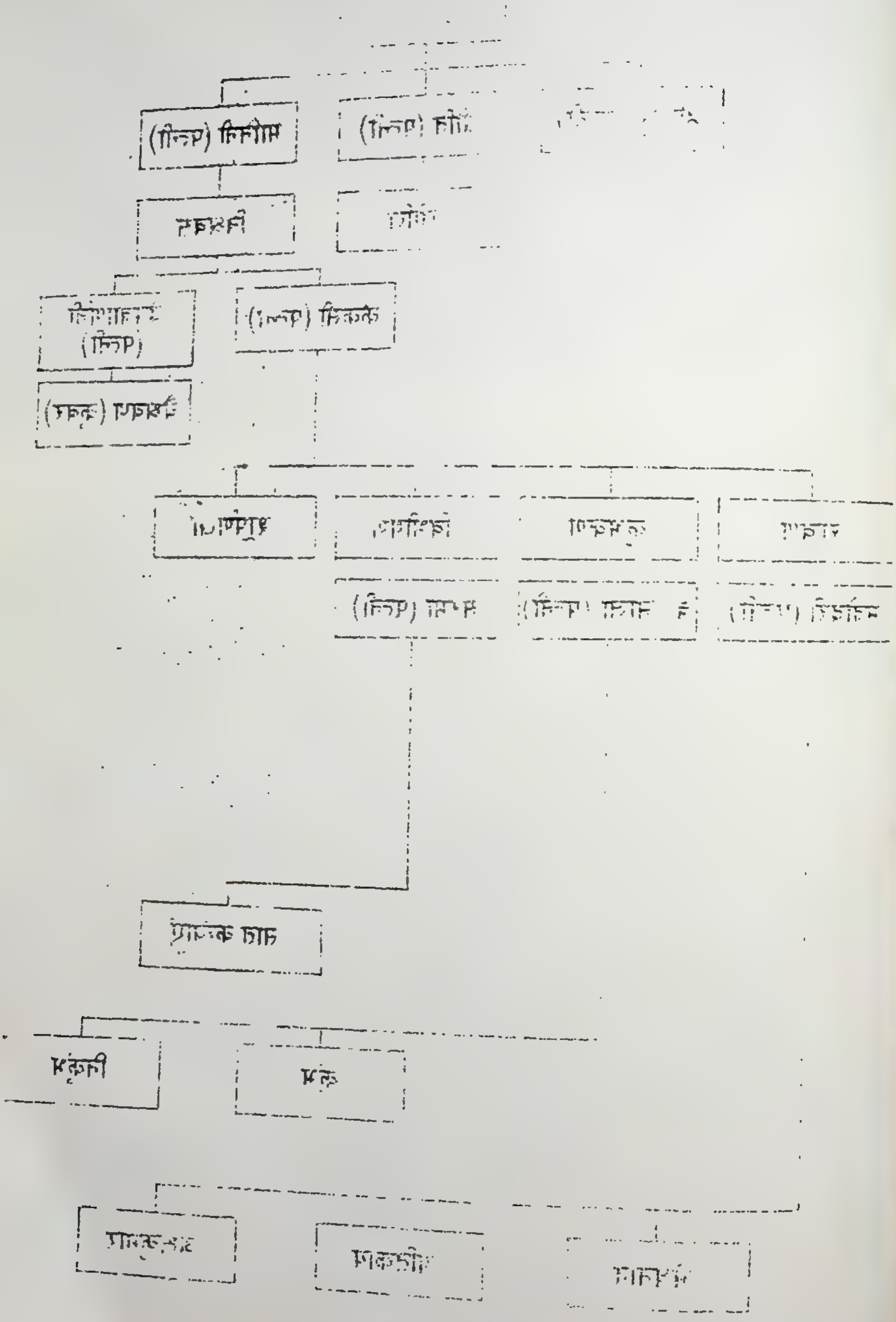

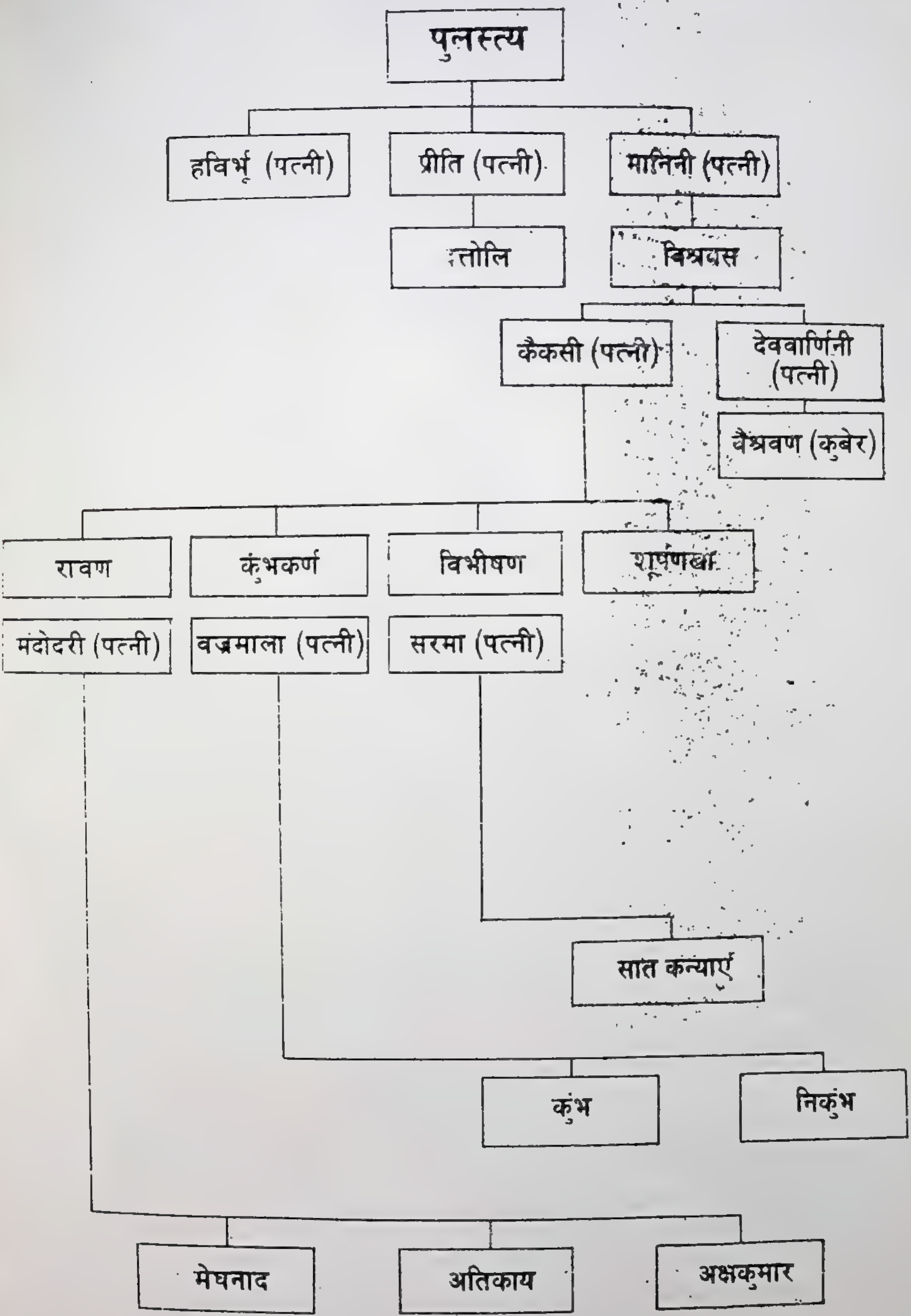
पुलस्त्य
हविर्भू (पत्नी)
प्रीति (पत्नी)
मानिनी (पत्नी)
त्तोलि
विश्रवस
कैकसी (पत्नी)
देववार्णिनी (पत्नी)
वैश्रवण (कुबेर)
रावण
कुंभकर्ण
विभीषण
शूर्पणखा
मंदोदरी (पत्नी)
वज्रमाला (पत्नी)
सरमा (पत्नी)
सात कन्याएं
कुंभ
निकुंभ
मेघनाद
अतिकाय
अक्षकुमार

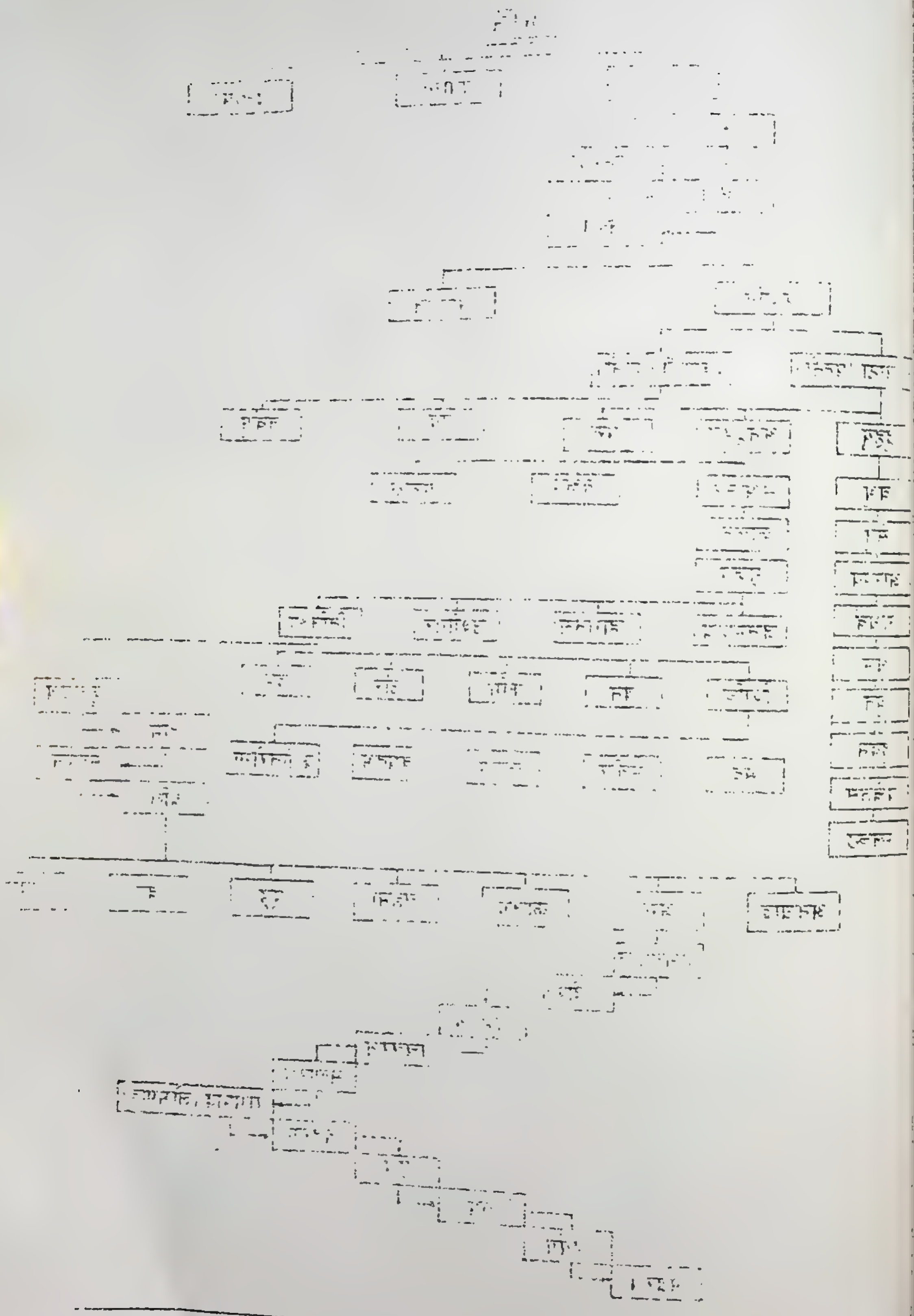

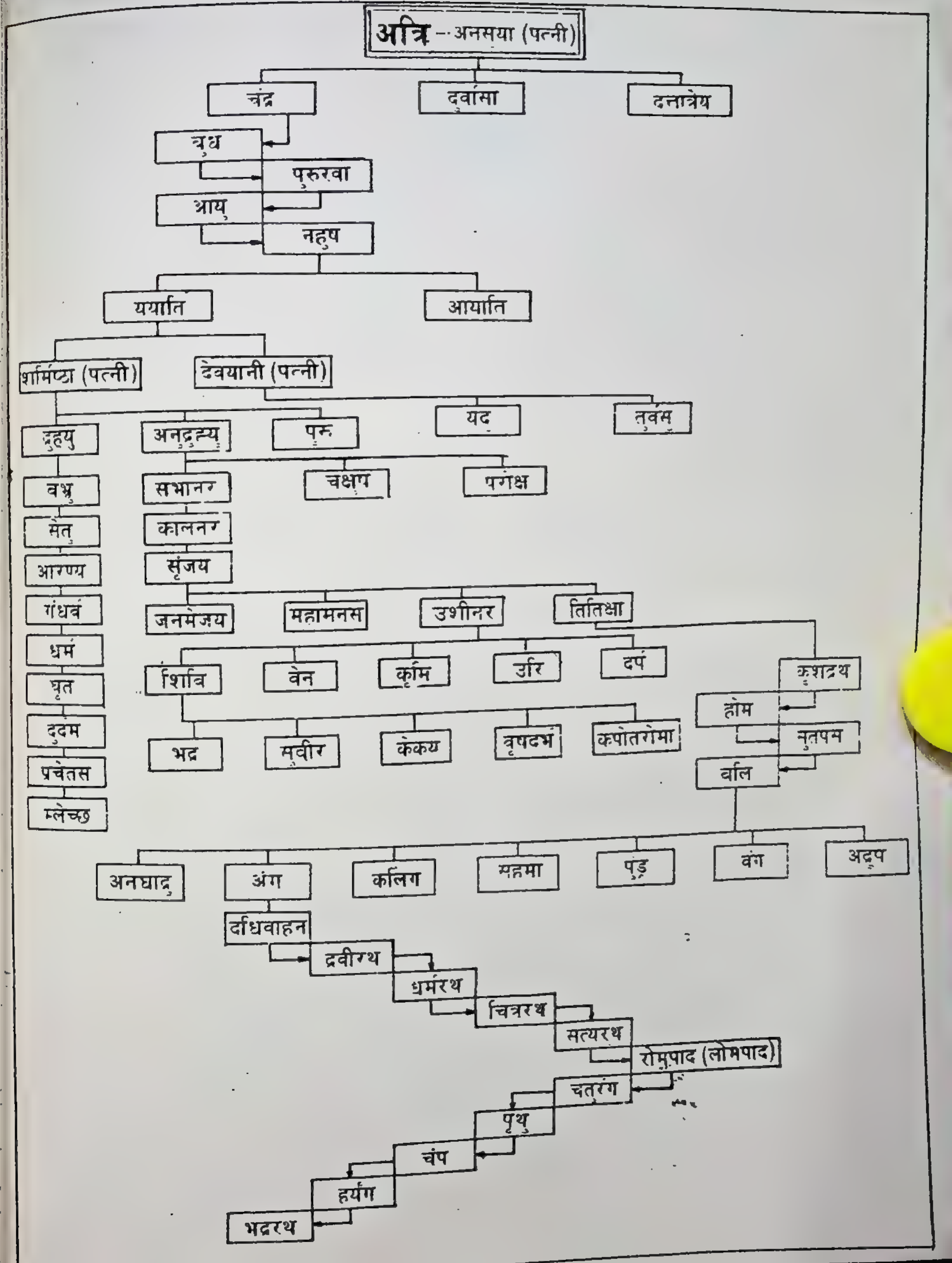

अत्रि — अनसूया (पत्नी)
चंद्र
दुर्वासा
दत्तात्रेय
बुध
पुरुरवा
आयु
नहुष
ययाति
आयाति
शर्मिष्ठा (पत्नी)
देवयानी (पत्नी)
द्रुह्यु
अनुद्रुह्यु
पुरु
यदु
तुर्वसु
बभ्रु
सेतु
आरण्य
गंधर्व
धर्म
घृत
दुदम
प्रचेतस
म्लेच्छ
सभानर
चक्षुष
परोक्ष
कालनर
सृंजय
जनमेजय
महामनस
उशीनर
तितिक्षा
शिवि
वेन
कृमि
उरि
दर्प
कुशद्रथ
भद्र
सुवीर
केकय
वृषदर्भ
कपोतरोमा
होम
सुतपस
बलि
अनघाद्र
अंग
कलिंग
सुह्मा
पुंड्र
वंग
अद्रुप
दधिवाहन
द्रवीरथ
धर्मरथ
चित्ररथ
सत्यरथ
रोमपाद (लोमपाद)
चतुरंग
पृथु
चंप
हर्यंग
भद्ररथ

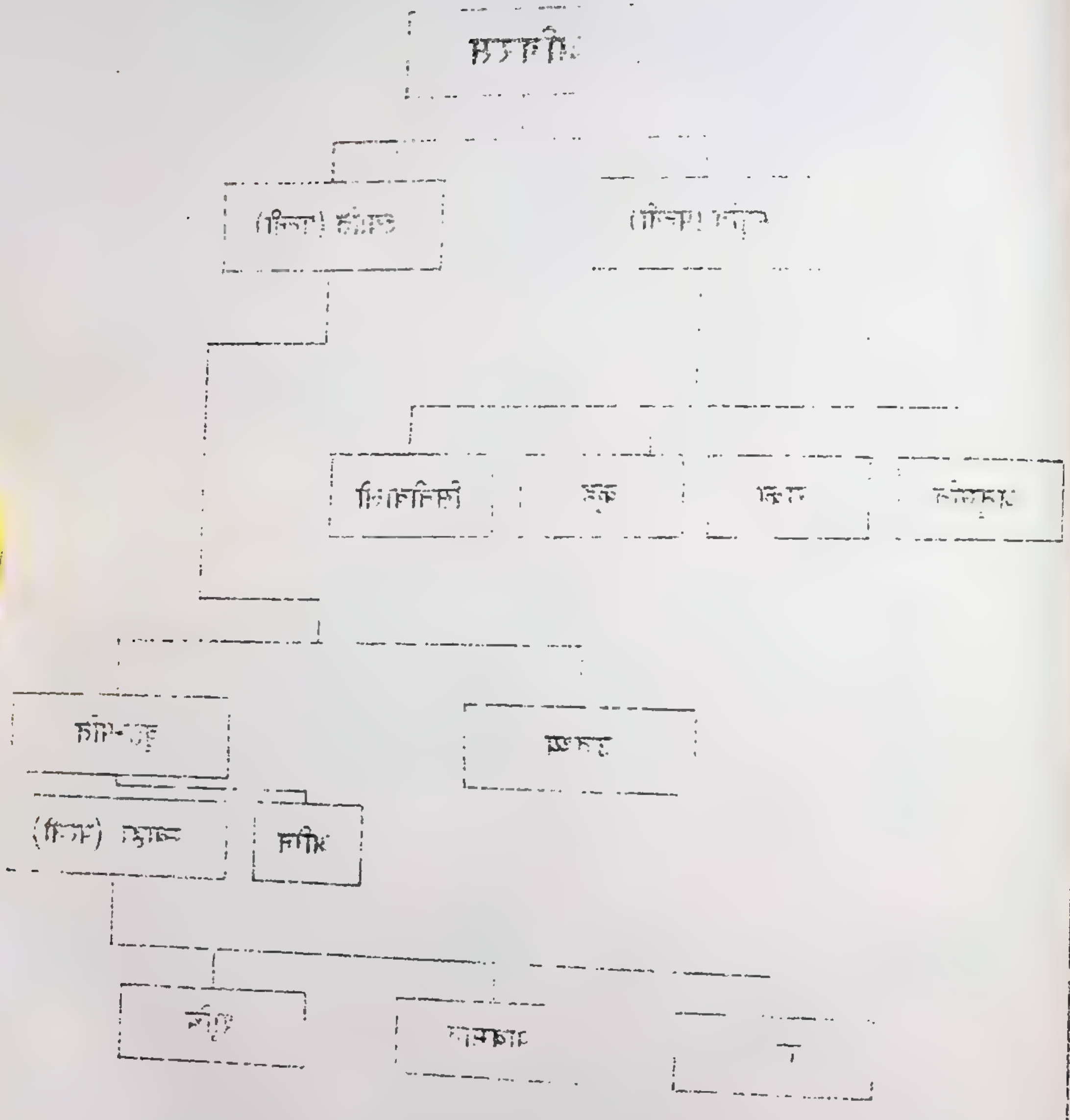

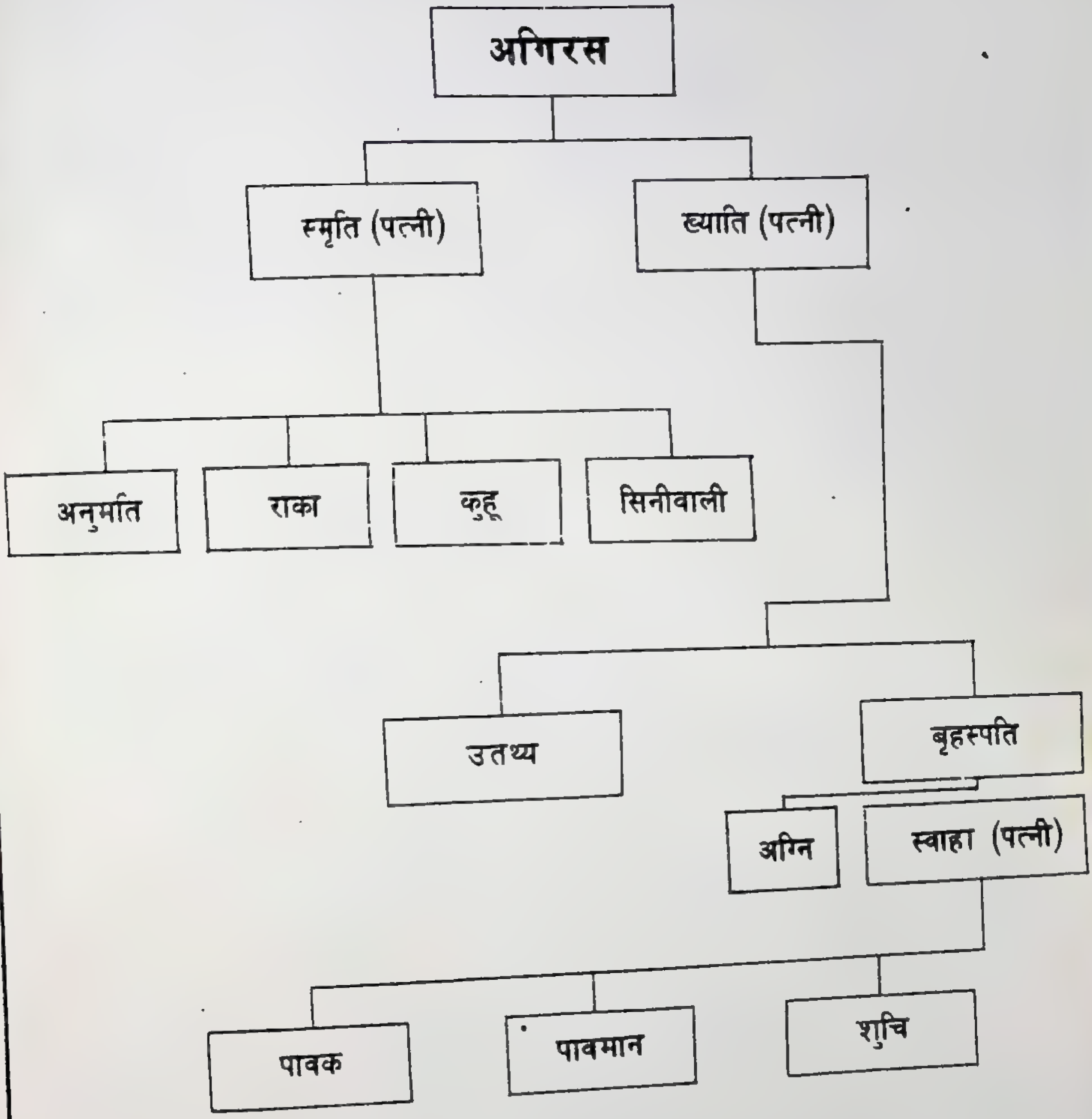
अगिरस
स्मृति (पत्नी)
ख्याति (पत्नी)
अनुमति
राका
कुहू
सिनीवाली
उतथ्य
बृहस्पति
अग्नि
स्वाहा (पत्नी)
पावक
पावमान
शुचि

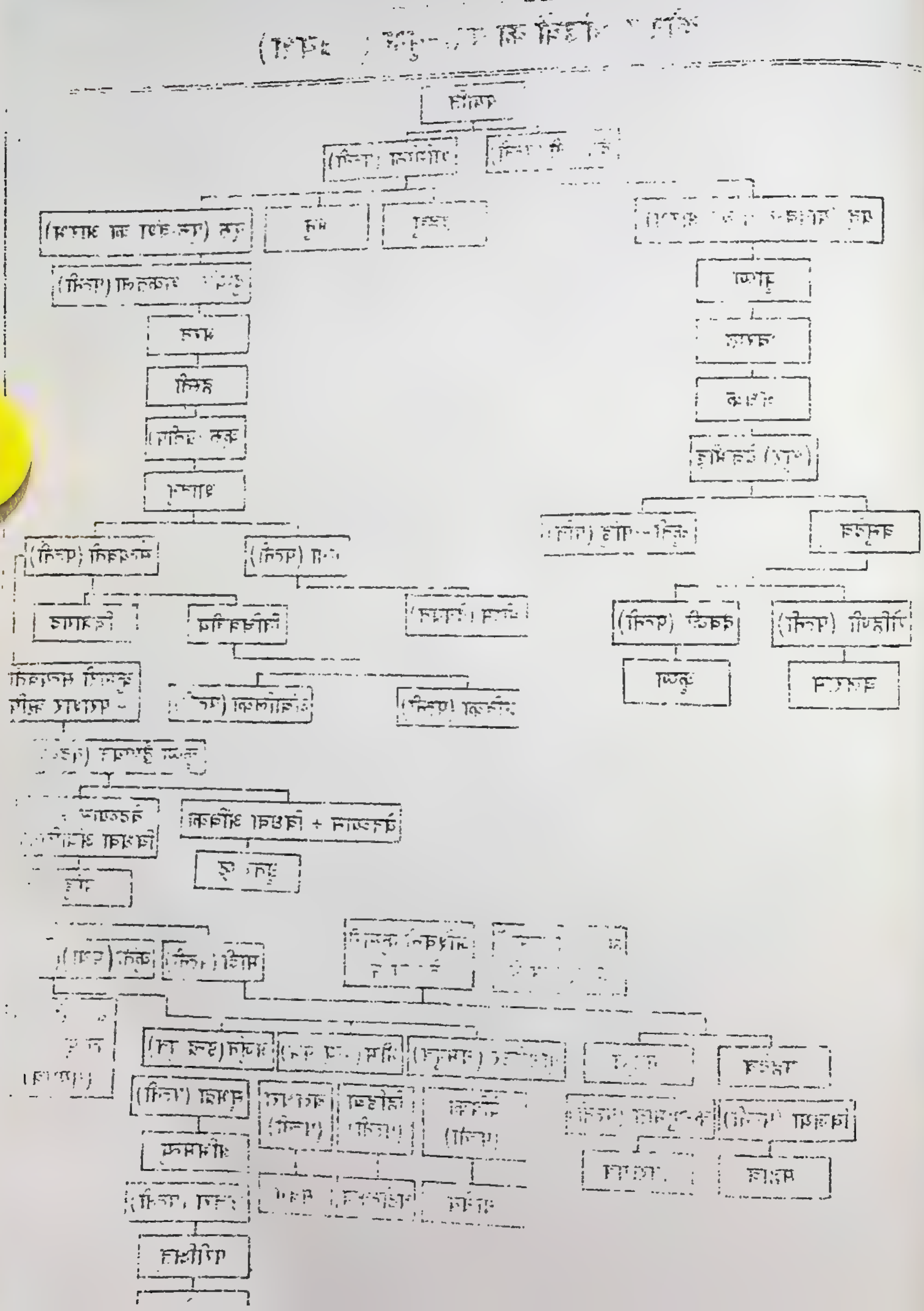

कौरव-पांडवों का वंश-वृक्ष (चंद्रवंश)

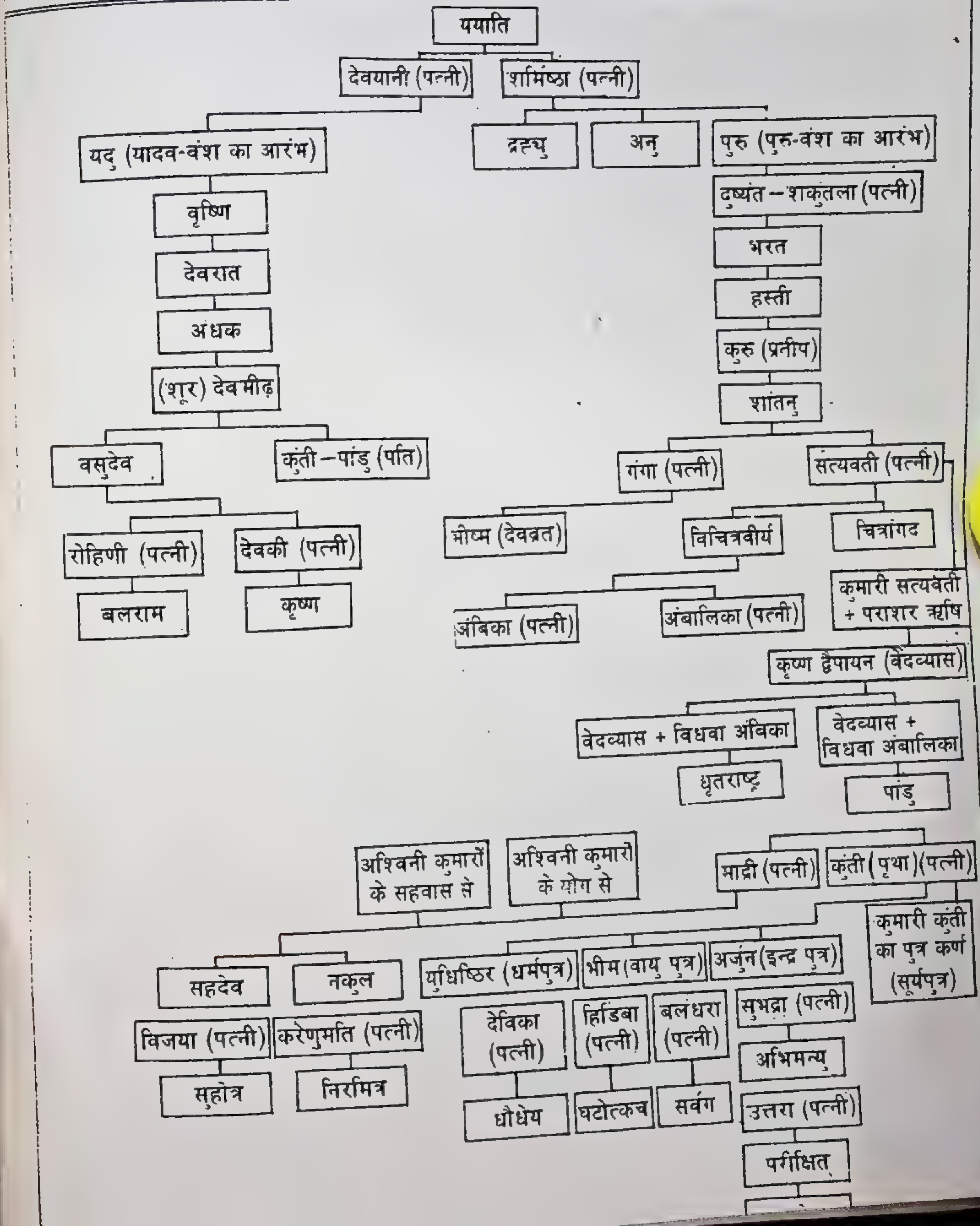

नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली